डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

# गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 50 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 29 नवम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ

डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

## रेत माफिया अब गधे पर लगा रहे दांव

### जप्ती और पेनल्टी से बचाव, फायदा ही फायदा

**मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** रेत माफिया अब मशीनरी के बजाय गधों पर दांव लगाते हुए खनन करा रहे हैं। शिवना में मशीनों को छोड़ गधों का उपयोग अवैध खनन में कर रहे हैं। जिससे खनिज व पुलिस अधिकारी भी मजबूर है। गधे को जब्त करके रखे कहां और पेनल्टी भी किस पर लगाए। इसके लिए गधे के मालिक को ढूंढना पड़ेगा। अगर मालिक मिल भी जाए तो कह देगा मेरे गधे की पीठ पर रेत किसी और ने लादी होगी!

ट्रॉलियों- ट्रैक्टरों को पकड़े जाने पर भारी पेनल्टी के साथ ही लंबी-चौड़ी न्यायिक प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। गधे पर न कोई पेनल्टी है और ना ही जब्त होने का डर। साथ ही न डीजल का खर्च और ना पकडे जाने का डर। ऐसे में केवल मुनाफा ही मुनाफा हिस्से में आता है। इसीलिए गधों की आड़ में रेत खनन का कार्य कराया जा रहा है।

# एंटी बॉयोटिक से बीमारी ने कर ली दोस्ती!

## चिकित्सकीय सलाह के बगैर दिख रहा विपरित असर

**मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। चिकित्सकीय सलाह के बिना छोटी मोटी बीमारी में मेडिकल से एंटीबायोटिक लेने के दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। छोटी मोटी मौसमी बीमारी जहां भारी पड़ रही है। वहीं एंटी बायोटिक के अधिक उपयोग से शरीर में बीमारी फैलाने वाले बैक्टीरिया ने एंटी बायोटिक से ही मित्रता कर ली है। मतलब एंटी बॉयोटिक का असर इन पर नही हो रहा।**

**एंटीबॉयोटिक दवाओं का उपयोग बैक्टेरिया को मारने में होता है। चिकित्सक अनिवार्य स्थिति में मरीज की समस्या, उम्र आदि के आधार पर आवश्यकता अनुसार एंटीबॉयोटिक दवा प्रिस्क्राइप करते हैं। इसके विपरीत कई मरीज अपनी मर्जी से या अनाधिकृत व्यक्ति की बताई दवाई ले लेते हैं, जिनमें एंटीबॉयोटिक भी शामिल होती है। दवाइयों को इस प्रकार मनमाना उपयोग भविष्य में मरीज के लिए खतरनाक साबित हो रहा है। अब मौसमी बीमारी हो या अन्य कोई बीमारी डॉक्टर को मिडिएशन बदलना पड़ रहा है और उपचार में लंबा समय लगता है।**

### ऐसे हो रही हानि...

एंटीबॉयोटिक दवा का उपयोग बैक्टेरिया के लिए होता है। लेकिन, ऐसी

स्वास्थ्य समस्याओं में भी इनका उपयोग हो रहा है जिसमें इनके बिना उपचार किया जा सकता है। दरअसल एंटीबॉयोटिक दवाओं के मनमाने या बिना चिकित्सकीय सलाह के उपयोग के कारण लोगों के शरीर में एंटीबॉयोटिक प्रतिरोध बढने लगा है। शरीर में आवश्यकता से कम या ज्यादा एंटीबॉयोटिक दवाएं जाने से शरीर में मौजूद बैक्टेरिया आदि इनके साथ जीने की क्षमता बढ़ा लेते हैं। इससे यह इतने शक्तिशाली हो जाते हैं कि जब किसी बीमारी में मरीज को दवाई दी जाती हैं तो कीटाणुओं पर इनका असर ही नहीं होता।

### कम या अधिक डोज, दोनों हानिकारक...

चिकित्सकों के अनुसार स्वास्थ्य समस्या अनुसार मरीज को दवा के जितने डोज की जरूरत है, उससे कम डोज मिलने पर बैक्टेरिया मरते नहीं और दवा के साथ जीने की क्षमता पैदा कर लेते हैं। आवश्यकता से अधिक दवा का डोज देने से स्वास्थ्य तो सुधर जाता है, लेकिन शरीर के बैक्टेरिया को इतने हेवी डोज की आदत हो जाती है। कम डोज में वे नहीं मरते और बाद में हेवी डोज में ही सरवाइव करने लगते हैं।

### अनियमित डोज भी परेशानी का कारण...

अक्सर देखने में आता है कि डॉक्टर जितनी बार और जितने दिन की दवाई देते हैं, मरीज उसका शतप्रतिशत पालन नहीं करते। थोड़ा सुधार महसूस होने पर मरीज बीच में ही दवा लेना बंद कर देता है या डोज कम कर लेता है। इससे कुछ दिन बाद फिर बीमारी के लक्षण आते हैं और दोबारा वही दवाई शुरू करने पर बैक्टेरिया पर उनका असर पहले की तुलना में कम हो जाता है।

### इनका कहना...

लगातार चिकित्सकीय सलाह के बगैर एंटी बायोटिक का अधिक उपयोग हो रहा है। परिणाम यह हो रहा है कि अब कई एंटीबायोटिक ने काम करना ही बंद कर दिया है। शरीर में पैदा होने वाली बीमारियों के बैक्टिरिया ने इनसे दोस्ती कर ली है। मतलब अब एंटीबायोटिक असर नहीं कर रही। अब डॉक्टरों को अन्य एंटीबायोटिक का उपयोग करना पड़ रहा है जो काफी महंगी होती है। वहीं उपचार भी लंबा चलता है। पहले एक या दो खुराक में मौसमी बीमारी ठीक हो जाया करती थी। लेकिन अब देखने को मिल रहा है कि उपचार लंबा चल रहा है। यहीं एंटीबायोटिक का अधिक सेवन का नतीजा है।

**डॉ सिद्धार्थ पाटीदार,**
**चिकित्सक बड़ा अस्पताल, मंदसौर**

## 10 साल में एक बार बेटों के बराबर बेटियां जन्मीं

### 9 बार बालिका लिंगानुपात गड़बड़ाया

**मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** बीते 10 साल में जिले में केवल 1 ही बार 1 हजार बेटों की तुलना में 1 हजार बेटियों ने जन्म लिया। नौ साल बालिका लिंगानुपात खासा गड़बड़ाया। सात साल में औसत 940 बालिकाएं ही जन्म ले पाई। स्पष्टहै प्रति हजार बालकों की तुलना में इनकी संख्या 60 कम रही। जिला स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक हर साल 22 हजार बच्चे जन्म लेते हैं।

वर्ष 2015-16 में बालिका अनुपात करीब 101 फीसदी रहा था। जबकि, 2014-15 के दौरान केवल 91.23 फीसदी बालिकाएं जन्मी। जिले की तुलना देश के चाइल्ड सेक्स रेशो से की जाए तो स्पष्टअंतर है कि 2001 की जनगणना में देश में प्रति 1 हजार बालकों की तुलना में 933 बालिकाएं थी, जो 2011 की जनगणना में बढक़र 940 पर जा पहुंचीं। इसी तरह प्रदेश के आंकडे से तुलना करें तो एमपी में 2011 की जनगणना में शिशु लिंगानुपात 919 था जो 2011 में बढक़र 931 हो गया। हालांकि इस तुलना में जिला भी आसपास ही है। लेकिन, 10 साल के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव की स्थिति बन रही है। लिंग भेद को खत्म करने के लिए महिला बाल विकास विभाग से लेकर नपा तक प्रयासरत हैं। लेकिन, आंकड़ों में कोई खास सुधार देखने को नहीं मिल रहा है।

# एक्जाम: थानों में नहीं, बैंक में रखे जाएंगे पेपर

## एमपी बोर्ड की परीक्षाओं में इस बार और सख्त रहेगी सुरक्षा व्यवस्था

**मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) मध्य प्रदेश की 10 वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षाएं 5 और 6 फरवरी से शुरू हो रही हैं। परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्रों का निर्धारण दिसंबर अंत तक होगा। इस साल ऐसे स्कूलों को परीक्षा केंद्र नहीं बनाया जाएगा, जिनमें पिछले साल सामूहिक नकल प्रकरण बने थे या परीक्षा लीक जैसे मामले सामने आए थे। इस बार मंडल कुछ बदलाव कर रहा है। जिसके तहत 10वीं व 12वीं कक्षा के पेपर अब थानों की जगह बैंकों में रखने की तैयारी की जा रही है। पिछले दिनों कार्यपालिका की बैठक में यह निर्णय हुआ था।

### परीक्षा पैटर्न में यह बदलाव...

माशिमं ने वर्ष 2023-24 की परीक्षा के लिए सब्जेक्ट में चैप्टरों का समूह बनाया है। इससे अब विद्यार्थियों को सभी चैप्टर पढ़ने होंगे। माशिमं ने ऑब्जेक्टिव के स्थान पर एक-एक अंक वाले रिक्त स्थान के प्रश्नों को बढ़ावा दिया है। इन्हें पूरा पढने वाले विद्यार्थी ही हल कर पाएंगे। बता दें कि पिछली बार माशिमं द्वारा आयोजित 10 वीं व 12 वीं की परीक्षाओं के दौरान करीब 10 विषयों के प्रश्न-पत्र इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने की सूचनाएं चलती रही थी।

# खो गए 15 करोड़ के खेल मैदान...?

## करोड़ो खर्च करने के बाद 20 फिसदी भी अस्तित्व में नहीं!

**मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मनरेगा के तहत जिले में 14.91 करोड़ रुपए खर्च करके 731 खेल मैदान बनाए गए। इनमें से करीब 20 फीसदी खेल मैदान भी अस्तित्व में नहीं हैं। अधिकतर जगह मैदानों पर लोगों ने कब्जा कर लिया या देख-रेख के अभाव में कांटेदार झाड़ियो के बीच शौचालय जीर्ण-शीर्ण हो गए। मजबूरन अंचल के युवा खेल प्रैक्टिस व आर्मी की तैयारी के लिए अन्य स्थान ढूंढ रहे हैं। ऐसे में करोड़ो रूपए खर्च करने के बाद भी शासन अपनी मंशा पर खरा उतरता नहीं दिख रहा है।**

ग्रामीण विकास की सबसे बड़ी योजना मनरेगा है। विकास और लोगों को रोजगार मुहैया करने के लिए लागू महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम में हर साल हजारों करोड़ का बजट जारी होता है। वर्ष 2022-23 के लिए केंद्र सरकार ने 73 हजार करोड़ के बजट का प्रावधान किया। इससे औसतन हर पंचायत स्तर पर एक-एक खेल मैदान बनाया गया। जिले में सर्वाधिक निर्माण 2012 से 2018 के बीच हुए। उद्देश्य था ग्रामीण प्रतिभाओं को बेहतर खेल मैदान व माहौल उपलब्ध कराना। लेकिन, मैदान नहीं बचे हैं। आर्मी, पुलिस भर्ती की तैयारी कर रहे युवा दौड़ या अन्य वर्कआउट नहीं कर पा रहे हैं। कहीं गड्ढे, झाड़ियां तो कहीं अतिक्रमण-कर्ताओं का कब्जा हो चुका है। 75 फीसदी से अधिक खेल मैदानों का यही हश्र हो गया है।

### योजना व रखरखाव का अभाव...

पंचायतों ने मस्टर भर कर राशि खर्च कर दी। लेकिन, सही योजना व रखरखाव नहीं होने से मैदान कागजों में दर्ज होकर रह गए। जमीनी हकीकत में मैदान का अस्तित्व ही नहीं है। मनरेगा हर साल सोशल ऑडिट करता है। इसमें भी जमीनी हकीकत सरकार तक नहीं पहुंच रही है। वरना मैदानों की सुध लेकर या अतिक्रमण मुक्त कर उपयोगी बनाए जा सकते हैं। सिर्फ वे मैदान ही सुरक्षित हैं जो किसी स्कूल परिसर में बनाए गए थे और पंचायतों ने उन्हें ही संवारना बताकर राशि आहरित कर ली। वहां स्कूलों ने मेंटेनेंस किया।

### इसलिए कागजो में रह गए खेल मैदान...

जो सरकारी भूमि खाली थी, वहां केवल ट्रैक्टर चलाकर या मजदूरों से समतलीकरण करवा दिया। जमीन सुधारने के लिए ना मुरम डलवाई और ना व्यवस्थित भराव करवाया। मैदान के आसपास में बाउंड्रीवॉल नहीं बनाई, इससे लोगों ने अतिक्रमण कर लिया। मेंटेनेंस नहीं होने से बारिश में घास उग आई और मवेशी घुसने से मैदान उबड़-खाबड़ हो गए।

# सुप्रीम कोर्ट ने लॉन्च किया फास्टर 2.0 पोर्टल

## जमानत मिलते ही तुरंत होगी कैदियों की रिहाई

**नई दिल्ली, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** कैदियों की रिहाई में लगने वाले समय की अब काफी बचत होगी। यह बचत चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा फास्टर 2.0 पोर्टल लॉन्च करने से संभव हुई है। इस पोर्टल का लाभ यह होगा कि कैदियों की रिहाई संबंधी अदालती आदेश की जानकारी जैल अथॉरिटी, ट्रायल कोर्ट, हाईकोर्ट तक तुरंत पहुंच जाएगी।

चीफ जस्टिस ने कहा कि मैं आश्वस्त करता हूं कि जैल में बंद कैदियों के पहलू पर गौर किया जाएगा। हम एक पोर्टल शुरू कर रहे हैं, जहां किसी व्यक्ति की रिहाई के न्यायिक आदेशों को तत्काल अनुपालन के लिए जैलों, निचली अदालतों और उच्च न्यायालयों में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

वर्तमान व्यवस्था के तहत जैल से रिहा होने में काफी वक्त लगता है। नया पोर्टल लॉन्च होने के बाद इस मामले में तेजी आएगी और कैदियों की तुरंत रिहाई मुमकिन होगी। सीजेआई ने आशा व्यक्त की कि न्यायिक बुनियादी ढांचे को और अधिक नागरिक-केंद्रित बनाने के प्रयासों के कारण, सभी वर्गों, जातियों और पंथों के नागरिक अदालती प्रणाली पर अपना भरोसा जता सकते हैं और इसे अपने अधिकारों को लागू करने के लिए एक निष्पक्ष और प्रभावी मंच के रूप में देख सकते हैं।

# मंदसौर के युवक का इंदौर में अपहरण, अवैध वसूली!

## बाणगंगा थाना पुलिस कर रही जांच, आरोपी फरार

**मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में मंदसौर के एक कपड़ा व्यापारी का अपहरण उसी के साथी ने अपने दोस्ते की मदद से कर लिया। युवक के साथ मारपीट की फिर उज्जैन ले गए। पीड़ित जैसे-तैसे मंदसौर पहुंचा और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने मामला इंदौर के बाणगंगा थाने भेजा। यहां रविवार रात में अपरहण की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई है।

पुलिस के मुताबिक विशाल आसेरी निवासी कोतवाली थाना क्षेत्र मंदसौर की शिकायत पर सचिन पुरी और उसके तीन अन्य साथियों के खिलाफ अपहरण, वसूली और मारपीट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। विशाल आसेरी ने अपनी शिकायत में बताया कि वह सचिन पुरी के साथ कार से मंदसौर से इंदौर आया था। सचिन इंदौर में सांवेर रोड पर एक टीन के टपरे में ले गया। यहां सचिन के तीन और साथी मौजूद थे। जो भोपाल के रहने वाले हैं। सभी ने विशाल के साथ मारपीट की और कहा कि तेरा अपहरण हो गया है। घर से रुपए मंगवा ले। इसके बाद दो दोस्तों ने विशाल से 23 हजार रुपए मंगवाए। विशाल के अकाउंट से सचिन के अकाउंट में 15 हजार रुपए भी ट्रांसफर करवा लिए। विशाल के गले से सोने की चेन भी छीन ली। सचिन कार मे बैठाकर विशाल को उज्जैन ले गया। सचिन किसी काम से कार से उतरा तो विशाल ने मौके का फायदा उठाकर कार ले कर मंदसौर आ गया। यहां पहुंचकर विशाल ने सीएसपी और टीआई को मामले से अवगत कराया। उन्होंने बाणगंगा पुलिस से बात कर विशाल को वहां भेज दिया। इंदौर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# सभी 41 मजदूरों को सुरंग से बाहर निकाला, एंबुलेंस में हुए रवाना

**उत्तरकाशी 28 नवम्बर।** उत्तराखंड के उत्तरकाशी स्थित सिलक्यारा टनल में चली रही जिंदगी की जंग 16 दिन बाद खत्म हो गई. 17 वें दिन सुरंग में फंसे सभी 41 मजदूर सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए है. इन सभी मजदूरों को प्राथमिक उपचार और मानसिक तनाव के इलाज के लिए सीधे अस्पचाल पहुंचाया गया है. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मौके पर मौजूद हैं. उधर प्रधानमंत्री कार्यालय इस मामले पर पूरी नजर बनाए हुए है।

मजदूरों के निकलने के बाद वैज्ञानिकों, मजदूरों के परिवारों, प्रशासनिक अधिकारियों सहित इस अभियान में लगे हर शख्स के चेहरे पर अप्रीतम मुस्कान है. सुरंग के पास बनाए गए एक अस्थाई अस्पताल में सबसे पहले मजदूरों को प्राथमिक उपचार दिया गया है. मजदूरों के देख रेख में डॉक्टरों और नर्सो की टीम को तैनात किया गया है।

### 16 दिनों से सुरंग में फंसे थे मजदूर

उत्तराखंड के सिलक्यारा में 12 नवंबर की टनल के अंदर बनाया इमरजेंसी अस्पताल, एयर एंबुलेंस भी तैनात बताया जा रहा है कि टनल के अंदर इमरजेंसी अस्पताल तैयार किया गया है. मजदूरों को सुरंग से बाहर निकालने के बाद सीधा अस्पताल ले जाया जाएगा. टनल के अंदर ऑक्सीजन सिलेंडर भी भेजे गए हैं.

टनल के बाहर मजदूरों के लिए एयर एंबुलेंस की भी व्यवस्था की गई है. रस्सी और सीढ़ी सुरंग में ले जाई जा रही है. सुबह लगभग 5.00 बजे भूस्खलन के चलते यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित निर्माणाधीन सिलक्यारा-डंडालगांव सुरंग का एक हिस्सा अचानक ढह गया था, जिसके कारण 8 राज्यों के 41 मजदूर सुरंग में अंदर फंस गए. इन सभी मजदूरों को बचाने के लिए के लिए अलग-अलग टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई थी.

### पाइपलाइन थी लाइफलाइन

सुरंग से पानी निकासी के लिए लगाई गई एक पौने चार इंच की पाइप लाइफ लाइन साबित हुई. हादसे के बाद इसी पाइप के जरिए मजदूरों को ऑक्सीजन, पानी और खाने के लिए कुछ हल्के-फुल्के सामान भेजे गए. इसी पाइप के जरिए उन्हें जरूरी दवाएं भी दी गई. हादसे के बाद 10वें दिन एक छह इंच की पाइप मजदूरों तक पहुंचाने में सफलता मिली, जिसके बाद उन्हें गरम खाना दिया जाने लगा. इसी पाइप के जरिए अंदर कैमरा भेजा गया और पहली बार ... शेष पेज 3 पर

# भाजपा शीर्ष नेतृत्व में टकराव चल रहा है..!

**मंदसौर/उज्जैन, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजे 3 दिसंबर को सार्वजनिक हो जाएंगे। कर्नाटक चुनाव के पहले प्रत्याशियों के चयन के समय ही भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का अहम आपस में ऐसा टकराया था कि उसी का असर वर्तमान पांच राज्यों के प्रत्याशियों के चयन के समय भी उसी दर्जे के अहम के साथ सार्वजनिक रूप से दोहराया। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान एक दूसरे से लगे हुए राज्य हैं। इसलिए इन राज्यों की राजनीतिक और प्रशासनिक परिस्थितियों और बदलाव सरकार और अधिकारी चाहे ना चाहे तीनों राज्यों में आपस में साझा हो ही जाता है।

चन्द्रमोहन भगत

शीर्ष नेतृत्व का टकराव कैसे सार्वजनिक होता, यह ऐसे सतह पर आया कि देश के महामानव की सबसे विश्वसनीय समर्थक उत्तर प्रदेश की महामहीम आनंदीबेन पटेल की नाती की शुक्रा फार्मास्यूटिकल फेक्ट्री में दिल्ली, मुंबई के आयकर अधिकारियों का छापा पड़ गया। देश भर के व्यवसाय राजनीतिक नौकरशाह और खबरनविसो को भी भरोसा ही नहीं हुआ, अभी तक नहीं हो रहा है। कारण साफ है आनंदीबेन गुजरात से राजनीति शुरू करने वाली महिला नेता है। वर्तमान में केंद्रीय सरकार भाजपा और संघ का शक्तिकेंद्र गुजरात के नरेंद्र मोदी और अमित शाह के कंट्रोल में है। पूरा विश्व जानता है कि उनकी दृष्टि और नीति अधिनस्त एजेंसियों का निशान सिर्फ विरोधी दल के नेता होते हैं। अपने तो हजारों करोड रूपयों की टैक्स चोरी करें, बैंक और अन्य सरकारी संस्थाओं को चूना लगाए, इनको समय पर बताया भी जाए तब भी देखने तक को तैयार नहीं होते हैं।

मेहुल चौकसी, नीरव मोदी, ललित मोदी, विजय माल्या, अडानी जैसे उदाहरण सामने है। सार्वजनिक जगत में चर्चा इसी बात पर केंद्रित है कि आनंदीबेन पटेल से लेकर उनकी नातिन की शुक्रा फार्मास्यूटिकल की डायरेक्टर संस्कृति जयस पटेल सभी भाजपा के नरेंद्र मोदी के महा अंधभक्त हैं। इसके बाद राजनीतिक और प्रशासनिक वातावरण में यह प्रश्न गूंजने लगा कि फिर किसकी हिम्मत हुई की आंनदीबेन पटेल की नातिन के यहां इनकम टैक्स अधिकारियों को उनके व्यवसाय की आय में अधिक संपत्ति खंगालने पहुंच गए, किसने निर्देश दिए? इसके बाद चर्चा है कि आनंदी बेन ने सीधे महामानव से बात की और सार निकला कि उनके परिवार पर नजर डालने वाले को वह भी नहीं छोड़ेगी, बस अब बीच बचाव और समझौता कराने भी कोई बीच में ना आए! महामानव ने मान्य किया ना किया, अलग बात है। पर, यह टकराव सतह पर आ गया।

शुक्रा फार्मास्यूटिकल की डायरेक्टर संस्कृति पटेल के यहां आयकर के छापे के परदे के पीछे की कहानी में यह चर्चा आम हो रही है कि गुजरात राज्य से महा शक्तिशाली बनने के बाद जब नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय महामानव बनने की योजना बनाई तब गुजरात में अपना उत्तराधिकारी बनाया आनंदीबेन पटेल को। रह गए तो अमित शाह को अपने साथ दिल्ली ले गए और डबल इंजन गाड़ी में आज भी हमेशा की तरह दूसरे नंबर पर ही है। यह भी कहा जा रहा है कि गुजरात की राजधानी गांधीनगर के पास से निकले हाईवे से लगे सुघड़ गांव की बहुत ही अधिक भूमि आनंदीबेन पटेल के जमाई यानी संस्कृति के पिताजी जयेश पटेल के एनजीओ को मिली हुई है। इसी तर्ज पर अमित शाह के एक करीबी ने भारतीय प्रशासनिक अधिकारी से मिलकर बहुत अधिक भूमि जिसका लैंडयूज नियम अनुसार बदला नहीं जा सकता था, बदल कर खुद के एनजीओ के लिए लेकर कब्जा कर लिया है। प्रशासन पर अधिकार दिखाने की यह प्रतिस्पर्धा एक दूसरे को नीचा दिखाने तक नहीं गिरती तो भाजपा नेतृत्व के शीर्ष नेताओं का टकराव सतह पर नहीं नजर ही नहीं आता। अब तो यह खुली स्पर्धा जैसा हो गया है। क्योंकि, वर्तमान भाजपा और संघ के साथ यह शाश्वत प्रश्न भारतीय वायुमंडल में घूम रहा है कि नरेंद्र मोदी के बाद देश की बागडोर किसे मिलेगी! दूध का जला छाछ भी फूंक कर पीता है। नंबर दो पर होने के बाद भी गुजरात नहीं मिला और केंद्रीय सरकार में भी दूसरे नंबर पर होने के बाद भी स्पर्धा में उत्तर प्रदेश के योगी आदित्य नाथ टीआरपी में आगे चल रहे हैं। बर्दाश्त कैसे किया जाता उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के खिलाफ भाजपा के ही अनेक पिछड़े नेताओं का समूह बन चुका है। इसका उद्देश्य मुख्यमंत्री योगी को कमजोर करना है।

चर्चा है कि योगी के खिलाफ चुनौती तैयार करने के लिए ओमप्रकाश राजभर गाजीपुर से किसी राजपूत ठाकुर की पैरवी कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी किसी कार्यक्रम में उपस्थित होकर तो किसी में अनुपस्थित होकर अपनी ही सरकार में अपने वर्ग की हैसियत मनवाने पर आमादा है। और गुजरात जैसी चर्चा यहां भी है कि ऐसे घटनाक्रमों को शीर्ष नेतृत्व के टकराव का अंजाम माना जा रहा है। जैसे-जैसे सतह पर आएगा राज्यों की भाजपा इकाइयों पर भी इसका गहरा असर पड़ेगा और अगर विधानसभा चुनाव के नतीजे विपरीत आए तो शीर्ष नेता के सामने दो नंबर के लिए टकराव सतह पर बेपर्दा नजर आएगा।

## विचार-मंथन

# अर्थव्यवस्था पर बोझ डालता जा रहा है बढ़ता प्रदूषण

सर्दी का मौसम आते ही दिल्ली सहित कई शहरों में वायु की गुणवत्ता में गिरावट आने लगती है। वायु प्रदूषण को आम तौर पर स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर के तौर पर ही देखा जाता है, लेकिन कई प्रतिष्ठित संस्थानों की रिसर्च रिपोर्ट इशारा कर रही है कि यह अर्थव्यवस्था के लिए भी घातक हो सकता है। सर्दियों के मौसम में वायु की गुणवत्ता में गिरावट आने लगती हैकई प्रतिष्ठित संस्थानों की रिसर्च रिपोर्ट इशारा कर रही है कि यह अर्थव्यवस्था के लिए भी घातक हो सकता हैप्रदूषण की वजह से भारत की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर देखने को मिल सकता है सर्दी का मौसम आते ही दिल्ली सहित कई शहरों में वायु की गुणवत्ता में गिरावट आने लगती है। वायु प्रदूषण को आम तौर पर स्वास्थ्य पर पड़ने वाले असर के तौर पर ही देखा जाता है, लेकिन कई प्रतिष्ठित संस्थानों की रिसर्च रिपोर्ट इशारा कर रही है कि यह अर्थव्यवस्था के लिए भी घातक हो सकता है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी 'फिच' ने वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की आर्थिक वृद्धि की दर के दुनिया की शीर्ष 10 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे ज्यादा रहने का अनुमान लगाया है। रेटिंग एजेंसी ने इस अवधि के लिए भारत की विकास दर 6.3 फीसदी रहने की उम्मीद जताई है। एक अन्य रेटिंग एजेंसी 'एसएंडपी' का भी आकलन है कि साल 2030 तक भारत 7.3 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। लेकिन विकास के ये तमाम अनुमान धरे के धरे रह सकते हैं, अगर हमने प्रदूषण, खासकर वायु प्रदूषण को नियंत्रण के दायरे में नहीं रखा। और अब इन आशंकाओं को बल भी मिलने लगा है। विश्व बैंक और भारतीय रिजर्व बैंक दोनों ने अपनी अलग-अलग रिपोर्ट्स में आशंका जताई है कि प्रदूषण की वजह से भारत की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर देखने को मिल सकता है। विश्व बैंक के अनुसार घरेलू उत्पाद की वृद्धि में साल-दर-साल लगभग 0.56 फीसदी तक की कमी आ सकती है। वहीं 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' के अनुसार वायु प्रदूषण के कारण भारत की जीडीपी के 5.4 फीसदी के बराबर यानी 150 अरब डॉलर का आर्थिक बोझ देश पर पड़ रहा है। गौरतलब है कि आज भारत के दिल्ली जैसे बड़े शहरों में वायु प्रदूषण का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित स्तर का लगभग 20 गुना तक अधिक है। अगर जीडीपी की गणना में शामिल वस्तुओं एवं सेवाओं पर किसी चीज का नकारात्मक असर पड़ता है तो उससे अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हुए बगैर नहीं रहती है। बढ़ते वायु प्रदूषण से भारत की अर्थव्यवस्था इस तरह प्रभावित होगी। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) की वायु प्रदूषण से संबंधित एक रिपोर्ट के अनुसार भारत सहित विकासशील देशों में वायु प्रदूषण के कारण लोग अपनी सेहत पर अपने कुल खर्च का 7 फीसदी अधिक खर्च करते हैं। यानी जो पैसा सकारात्मक दिशा में लगना चाहिए वह नकारात्मक दिशा में लगने लगता है। वहीं 'लैंसेट कमीशन' के एक अध्ययन के अनुसार प्रदूषण के कारण भारत में 20 लाख से भी अधिक लोगों की असामयिक मृत्यु हो जाती है। इन असामयिक मौतों का अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के मुताबिक प्रदूषण व ग्रीन हाउस गैसों की वजह से साल 2030 तक कृषि के उत्पादन में 30 फीसदी तक की गिरावट आ सकती है।

# 5 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था से भारत के अधिकांश लोगों को कोई लाभ नहीं...

**नलिनी सिंह**

पिछले हफ्ते छत्तीसगढ़ में एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा की कि वह गरीब कल्याण अन्न योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के लाभार्थियों को हर महीने 5 किलोग्राम खाद्यान्न मुफ्त प्रदान करने वाली योजना को 5 साल तक बढ़ा रहे हैं क्योंकि वह नहीं चाहते कि कोई भी नागरिक भूखा सोए। इसका मतलब यह है कि 2028 में भी 80 करोड़ भारतीयों को भूख से बचने के लिए खाद्यान्न मिलेगा। यही वह वर्ष है जब सरकार को उम्मीद है कि भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की जी.डी.पी. के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। क्या 5 ट्रिलियन डॉलर की जी.डी.पी. के बावजूद बड़ी संख्या में भारतीय अभी भी भूखे रहेंगे? इन लक्ष्यों की प्राप्ति में 5 साल की देरी से किसे लाभ होगा? जापान के विकास की कहानी = संदर्भ के लिए, आइए आज जापान पर एक नजर डालते हैं। जी.डी.पी. के हिसाब से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जापान की है। जापान में कथित तौर पर हर 20 मिनट में आत्महत्या से एक मौत होती है। लगभग 15 लाख जापानियों ने वर्षों से अपना घर नहीं छोड़ा है, जो गंभीर सामाजिक अलगाव का एक रूप है जिसे 'हिकिकोमोरी' कहा जाता है। बूढ़े माता-पिता रविवार को आने वाली अभिनेत्रियों को अपने को 'मॉम' और 'पॉप' कहलवाने के लिए किराए पर मकान देते हैं क्योंकि उनकी अपनी बेटियां अब उनसे मिलने नहीं आती हैं। हर दिन, मृत लोगों को मरने के कुछ दिनों या हफ्तों बाद छोटे-छोटे अपार्टमैंटों में खोजा जाता है। इन्हें 'कोडोकुशी' या 'एकाकी मृत्यु' कहा जाता है। स्पष्ट रूप से अर्थव्यवस्था के लिहाज से जापान के तीसरे स्थान पर पहुंचने से सभी नावों को समान रूप से ऊपर नहीं उठाया गया है, इसने कमजोर लोगों को हाशिए पर धकेल दिया है जहां वे सड़ने लगे हैं क्योंकि स्टेरॉयड पर आर्थिक विकास ने परिवार और सामुदायिक संबंधों की सुरक्षा पकड़ को तोड़ दिया है। 40 वर्षों तक, जापान विनिर्माण और निर्यात द्वारा संचालित दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था। लेकिन 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद, जापानी अर्थव्यवस्था के पहिए थम गए। जापान की आबादी कम खर्च करने लगी, निर्यात घट गया और सरकारी प्रोत्साहन खत्म हो गए। दूसरी ओर, चीन ने विनिर्माण क्षेत्र में तेजी का आनंद लिया और जी.डी.पी. के हिसाब से जापान को पछाड़कर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। हालांकि रैंक खोने पर जापान ने उल्लेखनीय अहंकार-मुक्त आर्थिक कूटनीति का प्रदर्शन किया। जैसे ही अर्थव्यवस्था तीसरे स्थान पर आ गई, जापान के नेतृत्व ने सार्वजनिक रूप से चीन की बढ़त का स्वागत किया, यह कहते हुए कि (तत्कालीन) सबसे अधिक आबादी वाले देश से निरंतर मांग बढ़ सकती है। आज, चीन जापान का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, जो यह साबित करता है कि वैश्विक राजनीतिक अर्थव्यवस्था में अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी को गले लगाने से लाभ मिलता है, भले ही आप विश्वगुरु (वैश्विक शिक्षक) ही क्यों न हों। इस अहंकार-मुक्त 'सक्रियता' ने यह सुनिश्चित किया है कि जापान पिछले 14 वर्षों से विश्व जी.डी.पी. रैंकिंग में तीसरे स्थान पर बना हुआ है। एक गहरा विभाजन= आज भारत सरकार का दावा है कि देश आर्थिक सुनामी के मुहाने पर खड़ा है। 5 ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचना नागरिकों, विशेषकर 80 करोड़ लोगों के लिए कैसा संकेत है, जो 2028 में भी मुफ्त राशन पर रहेंगे? भारत की आर्थिक वृद्धि पूंजी, उत्पादकता और श्रम पर केंद्रित है, और डाटा से पता चलता है कि चौथे-पांचवें से अधिक भारतीयों के लिए, 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बहुत दूर है।

**पूंजी पर विचार करें:** ऑक्सफैम के अनुसार, 2021 में, 1 प्रतिशत आबादी के पास देश की लगभग 41 प्रतिशत संपत्ति थी, जबकि 50 प्रतिशत के पास 3 प्रतिशत संपत्ति थी। ऐसे माहौल में, 5 ट्रिलियन डॉलर की आर्थिक ट्रॉफी की दौड़ संसाधन-संपन्न सत्ता दलालों की पकड़ में है जो इस पहल को जब्त कर लेंगे। लेकिन विडंबना यह है कि यह कम संसाधन वाले नागरिक ही हैं जो प्रस्तावित 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए निवेश का वित्तपोषण कर रहे हैं। कुल वस्तु और सेवा कर (जी.एस.टी.) का लगभग 64 प्रतिशत आबादी के निचले 50 प्रतिशत और शीर्ष 10 प्रतिशत से आया है। जी.एस.टी. का 3 प्रतिशत योगदान रहा। सरकार को पता है कि अमीर 2029 के आम चुनाव से ठीक पहले 5 ट्रिलियन डॉलर का लक्ष्य हासिल करने के लिए शीर्ष स्थान पर आ रहे हैं। जाहिर है, इससे विदेशों में भारत का प्रभाव और शक्ति बढ़ेगी और दुनिया में प्रधानमंत्री की प्रधानता बढ़ेगी। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार के उपकरणों और क्षेत्रों की पहचान वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने अगस्त 2023 को संसद में 'डिजिटल अर्थव्यवस्था, फिनटैक, ऊर्जा संक्रमण, जलवायु परिवर्तन... जी.एस.टी., दिवाला और दिवालियापन संहिता, कमी' के रूप में की थी। लेकिन ये अत्याधुनिक क्षेत्र और उपकरण 80 करोड़ हाशिए पर रहने वाले नागरिकों और करोड़ों अन्य लोगों के मूल निवासी नहीं हैं। क्या 5 ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य से भारत के बीच विभाजन गहरा जाएगा? भारत भले ही इस लक्ष्य को हासिल करने की राह पर है, लेकिन अधिकांश आबादी अभी भी पुराने भारत की धीमी गलियों में भटकी हुई है और नए कारवां को गुजरते हुए देख रही है।

# आर्थिक मजबूती ही महिलाओं को शोषण से बचा सकती है...

**पूरन चंद सरीन**

अक्सर इस तरह की बातें होती है कि स्त्रियों को किस प्रकार से सुरक्षित किया जाए कि उनके साथ भेदभाव, मारपीट और शारीरिक तथा मानसिक अत्याचार न हो। यह सब बतरस यानी जुबानी जमाखर्च जैसा है क्योंकि हकीकत बताती है कि संसार में 3 में से एक महिला के जीवन में कम से कम एक बार शरीर, मन, सैक्स संबंधी और आर्थिक रूप से शोषण हुआ ही है। एक तथ्य यह भी है कि चाहे हर देश उनके प्रति सहानुभूति रखे लेकिन बहुत ही कम अपने यहां ऐसा कानून बना पाते हैं जो पूरी तरह से औरतों के पक्ष में हो। विडंबना यह भी है कि कोई भी सरकार अपने बजट के 5 प्रतिशत से ज्यादा इस काम के लिए व्यय नहीं करती। आवाज नहीं तो बचाव कैसा= कहते हैं कि बिना रोए मां भी दूध नहीं पिलाती अर्थात जब कोई बोलता ही नहीं, अपने साथ हो रहे अन्याय के विरोध में स्वर ही नहीं उठते तो फिर किसी को क्या पड़ी है जो वह तरफदारी करे। प्रमाण यह है कि हर घंटे 5 या अधिक नवजात, अबोध लड़कियों की हत्या हो जाती है और कानों कान खबर नहीं होती। गर्भ गिराने यानी भ्रूण हत्या के आंकड़े तो और भी भयावह हैं। समाज अक्सर लड़के-लड़की के बीच कोई भेद न करने, दोनों को समान समझने और एक जैसे अवसर देने की बात करता है। हम यह नहीं कहते कि वह झूठ कहता है लेकिन इतना अवश्य है कि सच पर पर्दा डालने का काम करता है। उदाहरण के लिए चाहे लड़कियों की पढ़ाई-लिखाई हो, उनकी नौकरी या अपने पैरों पर खड़े होने की बात हो, शादी और दहेज का मामला हो, रीति-रिवाज तथा परंपराओं के पालन की जिम्मेदारी हो, पुरुष समाज उन्हें बहकावे में रखकर अपनी बात मनवाने में कभी पीछे नहीं रहता। मानो लड़कों को यह बात उन्हें जन्म लेते ही घुट्टी में पिला दी जाती है कि लड़कियों का परिवार में दूसरा तीसरा दर्जा है, पहला या बराबरी का तो सवाल ही नहीं उठता। जब यह सोच बचपन से ही बन जाती है तो फिर लड़की चाहे कितनी भी बुद्धिमान हो, जीवन में कुछ बनने या करने की इच्छा रखती हो, मर्जी लड़कों की ही चलती है। और अगर कहीं उसने यह निर्णय कर लिया कि वह जो चाहती है, हासिल कर के ही रहेगी तो फिर उसे न जाने किन किन नामों से पुकारा जाने लगता है जैसे आवारा, बदचलन, नाक कटाने वाली आदि आदि। इस कारण आम तौर से वह हथियार डाल देती है और एक घुटन भरी और नीरस जिंदगी स्वीकार कर लेती है। महिलाओं को शरीर और मन से यदि ताकतवर बनना है तो उसका एक ही तरीका है कि वह रुपए पैसे के लिए किसी पर निर्भर न हों और वह जो भी मेहनत करती हैं उसका उसे फल यानी रुपया मिले, चाहे पिता, भाई और पति ही क्यों न हो। इसका एक उदाहरण पिछले कुछ वर्षों में इस बात की समीक्षा करने से दिया जा सकता है कि जब से महिला के बचत खाते में उसके वेतन या मजदूरी का पैसा पहुंचने लगा है, वह अपने को इस योग्य समझने लगी है कि वह इसे अपनी मर्जी से खर्च कर सकती है। वह करती भी है और पति या परिवार के अन्य सदस्यों को इस मामले में अपने ऊपर हावी नहीं होने देती। यही बात अन्य कामकाजी, नौकरी या अपना कोई व्यवसाय करने वाली महिलाओं पर लागू होती है जो अपनी कमाई पर किसी का हक नहीं समझतीं। यदि जोर-जबरदस्ती की जाती है तो वे अकेले या अलग रहने का फैसला करने में ही अक्लमंदी समझती हैं। आधुनिक टैक्नोलॉजी के युग में अब वह दौर आ गया है कि महिलाओं को उनके अधिकार मिलने के मामले में 'कोई बहाना नहीं' चलेगा। इस दृष्टि से देखा जाए तो अब यह पहलू भी बहुत मुखर होकर सामने आ रहा है कि यदि बिना बात लड़ने, मारपीट करने और सैक्सुअल हमला करने से पुरुष बाज नहीं आता तो फिर उसके बुरे दिन आने से कोई नहीं रोक सकता। सोशल मीडिया के कारण स्त्री अब बेचारगी से ग्रस्त नहीं रहना चाहती बल्कि मर्दों की मर्दानगी के सामने औरत की औरतानगी से मुकाबला करती है। पति को परमेश्वर मानने या माता पिता की आज्ञाकारिणी बनने का उसका स्वभाव बदल रहा है। इस समय पुरुषों से अधिक महिलाएं अपने शुरू किए गए स्टार्ट अप या अपना ही ब्रांड बनाने में सफल हो रही हैं। इसका नतीजा यह हो रहा है कि एक तरह की नर और नारी के बीच स्वस्थ प्रतियोगिता का उदय हो रहा है। अब निर्भर या आश्रित रहने की सोच में बदलाव आ रहा है। इस दिन की सार्थकता इसी में है कि महिलाओं को हर क्षेत्र में समान अवसर मिलें और उनके साथ वेतन, तरक्की और प्रगति करने के मामलों में असमानता का व्यवहार न हो। चाहे इसके लिए कड़े कानून बनें या कोई आंदोलन चलाना पड़े, यह परिवार, समाज और अंततः देश के हित में होगा।

# क्रिकेट वर्ल्ड कप में शानदार रहा भारतीय क्रिकेट टीम का सफर

भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने तो इस विश्व कप में कुछ ऐसे रिकॉर्ड भी बना डाले, जिन्हें तोड़ना असंभव सा लगता है। विश्व कप में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' अवार्ड भी उन्होंने अपने नाम किया। विश्व कप में यह अवार्ड जीतने वाले वे तीसरे भारतीय खिलाड़ी बने हैं। 19 नवम्बर को अहमदाबाद में खेले गए विश्व कप 2023 के फाइनल में आस्ट्रेलिया ने भले ही भारत पर 6 विकेटों से आसान जीत हासिल करते हुए विश्व कप जीत लिया लेकिन पूरे विश्व कप मुकाबले में इस बार भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा, जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। पहले ही मैच में आस्ट्रेलिया को 6 विकेटों से हराने के साथ ही भारतीय टीम ने विश्व कप में अपनी जीत का शानदार आगाज किया था, जो फाइनल मुकाबले में आस्ट्रेलिया के ही हाथों 6 विकेटों से ही मिली हार के साथ ही टूटा। हालांकि रोहित शर्मा की इस टीम ने विश्व कप के कुल 11 मैचों में कई ऐसे रिकॉर्ड तोड़े तथा कुछ नए मुकाम हासिल किए, जिनका भारत को लंबे समय से इंतजार था। सबसे बड़ा रिकॉर्ड तो लगातार 10 मैचों में जीत दर्ज कराने का ही रहा। यह भारत का किसी भी आईसीसी विश्व कप में सर्वाधिक बार लगातार जीत का नया रिकार्ड है। इससे पहले 2003 और 2015 में भारत ने लगातार 8 जीत हासिल की थी। हालांकि किसी एक टूर्नामेंट में सर्वाधिक 11 जीत का रिकॉर्ड आस्ट्रेलिया के नाम है, जिसने 2003 और 2007 में यह रिकॉर्ड बनाया था। भले ही आस्ट्रेलियाई टीम इस बार विश्व चैम्पियन बनी है लेकिन जिस प्रकार भारतीय टीम विश्व कप में शुरुआत से ही न सिर्फ लगातार जीत रही थी बल्कि सभी मुकाबलों में लगातार बहुत बड़े अंतर से जीतते हुए विपक्षी टीमों का मनोबल भी बुरी तरह से तोड़ने में सफल होती रही, उसे देखते हुए कहना गलत नहीं होगा कि इस बार के विश्व कप की सबसे मजबूत टीम भारतीय टीम ही थी। कभी जिस भारतीय टीम की बल्लेबाजी को 'फैब फाइव' के नाम से जाना जाता था, इस बार उसी भारतीय टीम की गेंदबाजी ने लगातार 10 मैचों में सफलता दिलाने में शानदार भूमिका निभाई। पूरे विश्व कप के दौरान मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह सबसे खतरनाक पेस और सीम अटैक के बेताज बादशाह के रूप में उभरे जबकि रविन्द्र जडेजा तथा कुलदीप यादव की जोड़ी सबसे खतरनाक स्पिन बॉलर्स के रूप में दुनिया के सामने आई। एक ओर जहां रिकी पोंटिंग ने इसे भारत का सर्वकालीन सबसे खतरनाक बॉलिंग अटैक बताया, वहीं इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर नासिर हुसैन ने इन्हें 'फैब फाइव' के नाम से संबोधित किया। पहले मैच में भारत ने आस्ट्रेलिया को 6 विकेटों से हराया था। उसके बाद दूसरे मैच में अफगानिस्तान को 8 विकेटों से और तीसरे मैच में पाकिस्तान को तो न केवल 7 विकेटों से धूल चटाई बल्कि पूरी पाकिस्तानी टीम को 31वें ओवर में ही समेट दिया था। चौथा मैच भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ 7 विकेटों से जीता, पांचवें मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 विकेटों से जीत हासिल की। छठा मैच इंग्लैंड से 100 रनों से जीता, सातवें मैच में तो भारत ने श्रीलंका को केवल 55 रनों पर ही आउट करते हुए 302 रनों से मैच जीता। 8वें मैच में दक्षिण अफ्रीका को 243 रनों से, 9वें मैच में नीदरलैंड्स को 160 रनों से और 10वें मैच (सेमीफाइनल) में न्यूजीलैंड को 70 रनों से हराकर विश्व कप में लगातार बड़ी जीत हासिल की। पूरे विश्व कप टूर्नामेंट में मोहम्मद शमी ने सबसे ज्यादा 24, जसप्रीत बुमराह ने 20, रविन्द्र जडेजा ने 16, कुलदीप यादव ने 15 और मोहम्मद सिराज ने 14 विकेट लिए। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के लिए यह विश्व कप यादगार बन गया।

## नीतीश कुमार भीम संसद को संबोधित करते हुए लालू-राबड़ी पर निशाना साधा

## सुडोकू पहेली क्रमांक- 5069

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | 9 | | | 6 |
| | | | | | 3 | 8 | 5 | 1 |
| | 6 | 2 | | 1 | 5 | | | |
| | | 7 | | | | | 6 | |
| | 2 | 1 | 9 | 7 | 6 | 3 | 8 | |
| | 3 | | | | | 1 | | |
| | | | 4 | 5 | | 9 | 7 | |
| 2 | 5 | 8 | 6 | | | | | |
| 4 | | | 3 | | | | | |

**नियम :** प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

## सुडोकू पहेली क्र. 5068

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 6 | 7 | 5 | 2 | 4 | 9 | 3 | 8 |
| 2 | 3 | 9 | 1 | 7 | 8 | 6 | 5 | 4 |
| 8 | 5 | 4 | 3 | 9 | 6 | 2 | 7 | 1 |
| 6 | 9 | 8 | 7 | 4 | 2 | 3 | 1 | 5 |
| 7 | 2 | 3 | 6 | 1 | 5 | 4 | 8 | 9 |
| 5 | 4 | 1 | 8 | 3 | 9 | 7 | 6 | 2 |
| 3 | 1 | 2 | 4 | 8 | 7 | 5 | 9 | 6 |
| 9 | 7 | 6 | 2 | 5 | 1 | 8 | 4 | 3 |
| 4 | 8 | 5 | 9 | 6 | 3 | 1 | 2 | 7 |

## वर्ग पहेली 5069

संकेत: बाएं से दाएं
1. यह राष्ट्रगान प्रणेता देश है (3)
3. एशिया के इस जनतंत्रात्मक गणराज्य की राजधानी उलानबटोर है (4)
6. शरीर पर गहरे काले रंग का दाग (2)
7. उत्तरप्रदेश के 75 जिलों में से एक जिला जो यमुना नदी के किनारे बसा है (3)
8. किसी संस्था या कार्यालय के काम करने वाले लोग, कर्मचारी वर्ग (3)
9. पवित्र, पावन, निर्मल, निर्दोष (2)
10. उत्तरदायित्व लेना, रोके रहना (3)
11. 1958 में इंग्लिश चैनल तैरकर पार करने वाले प्रथम भारतीय (5)
12. क्षेत्र, रियासत, जमींदारी, जागीर (3)
14. वशवर्ती, मातहत, अधीन (2)
16. हुकूमत, प्रभुत्वकाल, राज्य व्यवस्था (2)
19. संबंध में, हेतु, वास्ते, लिए (2)
20. दुग्ध उत्पादन में इस देश का प्रथम स्थान है (3)

ऊपर से नीचे
1. जाति-पाँति का लिहाज (4)
2. नाव के मस्तूल के सहारे ताना जाने वाला कपड़ा जिसमें हवा भरने से नाव चलती है, बादबान, [illegible] (5)
3. कार्यारंभ के पूर्व की जाने वाली मंगल स्तुति मांगलिक मंत्र (6)
4. यह रवीन्द्रनाथ की प्रसिद्ध कृति है, [illegible] (2)
5. मांगने वाला, भिक्षुक, याची, भिखारी (3)
7. इसे पर्वतों का राजा कहा गया है (2)
8. अंगूठे से तीसरी उंगली, उपकनिष्ठिका (4)
9. पवित्रता, निर्मलता, शुद्ध मनस्क (4)
12. विचार, इच्छा, प्रयोजन, संकल्प (3)
13. शर्म, हया, लज्जा (2)
15. यह लेबनान की राजधानी है (3)
17. प्रसिद्ध कृति डिवाइन कॉमेडी के लेखक (2)
18. तेजस्विता, एक गुण, साहस आभास, दीप्ति (2)

## वर्ग पहेली 5068 का हल

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | मे | रि | का | ■ | आ | ह | ■ |
| शी | ला | ■ | र | प | न | ■ | श |
| क | ■ | स | गा | र | म | ध | मी |
| पु | गा | र | ■ | न | ■ | म | ला |
| मा | ल | ■ | का | शी | ■ | का | ■ |
| र | वा | नी | ■ | ल | गु | ना | ■ |
| ■ | ह | म | ल | ■ | द | ■ | ■ |
| मू | क | ■ | ब | हा | र | ■ | ई |

## आज का राशिफल

मेष
वृषभ
मिथुन
कर्क
सिंह
कन्या
तुला
वृश्चिक
धनु
मकर
कुंभ
मीन

## अवैध रूप से विद्युत का उपयोग करने वालों पर होती है जप्ती की कार्यवाही

### किसानों को विद्युत विभाग द्वारा अनावश्यक रूप से परेशान नहीं किया जाता

**मंदसौर, गुरु एक्सप्रेस 28 नवम्बर निप्र।** श्री सुधीर आचार्य अधीक्षक अभियन्ता म.प्र.प.क्षे.वि.वि.कं. लि. मंदसौर द्वारा बताया गया कि समाचार पत्र में प्रकाशित समाचार

फर्जी कार्यवाही करना बंद करे विद्युत वितरण कंपनी अन्यथा होगा आंदोलन के संबंध में बताया कि वर्तमान में रबी सीजन चालू है। जिन किसान उपभोक्ताओं के खेतों में सिंचाई कार्य हेतु स्थाई विद्युत कनेक्शन उपलब्ध नहीं है। ऐसे किसान साथियों को अपनी आवश्यकतानुसार उर्जा विभाग द्वारा रबी सीजन में सिंचाई कार्य हेतु निर्धारित अवधि व क्षमता अनुसार अस्थाई विद्युत कनेक्शन प्रदान किये जाते है। उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु क्षेत्र में भ्रमण किया जाकर किसान साथियों को सिंचाई कार्य हेतु अस्थाई विद्युत कनेक्शन प्राप्त करने हेतु प्रेरित भी किया जा रहा है। अवैध रूप से विद्युत का उपयोग करने पर प्रकरण तैयार किये जाकर जप्ती की कार्यवाही की जाती है। किसी भी किसान भाई को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं किया जा रहा है। उक्त कार्यवाही रबी सीजन होने के कारण प्रचलित है।

स्थाई व अस्थाई सिंचाई विद्युत कनेक्शन के उपभोक्ताओं को निर्धारित टैरिफ अनुसार बिल दिये जाकर राशि जमा करवाई जाती है। वितरण ट्रांसफार्मर बंद/ खराब / फैल होने की स्थिति में नियमानुसार बदलने की कार्रवाई सतत प्रक्रियाधीन होती है। उपभोक्ताओं से प्राप्त प्रत्येक शिकायत की समीक्षा की जाती है एवं विद्युत उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रख कर प्राप्त शिकायतों का यथोचित निराकरण किया जाता है।

# मतगणना कार्य में माईक्रों आर्ब्जवर की महत्व पूर्ण भूमिका-जैन

## पांच कक्षों में होगी मतगणना- गणना स्थल पर मोबाईल वर्जित

**नीमच , गुरु एक्सप्रेस 28 नवम्बर निप्र।** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन की उपस्थिति में मंलगवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में माईक्रो आब्जैर्वर को मतगणना प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर ने कहा, कि मतणगना कार्य एक अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्य है। मतगणना में किसी तरह की कोई गलती ना हो, इसलिए यह जरूरी है, कि मतगणना का कार्य सावधानीपूर्वक करें। मतगणना प्रक्रिया पर माईक्रो आब्जरवर अपनी कडी नजर रखे। प्रशिक्षण में प्रजेन्टेशन के माध्यम से बताया, कि मतगणना के दौरान छोटी-छोटी बातों को भी गम्भीरता से लें, और उनका पालन सुनिश्चित करें। गणना के दौरान पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता बरतने तथा निर्वाचन नियमों का अनुसरण करने के निर्देश भी दिए गए।

मास्टर ट्रेनर्स डॉ.राजेश पाटीदार एवं डॉ.अक्षयसिह बावेल ने डाले गए, मतपत्रों ईव्हीएम और वीवीपीएटी मशीन का प्रदर्शन कर, गणना के बारे में विस्तार से समझाईश दी। मतणना की प्रक्रिया समझाई मास्टर ट्रेनर्स डॉ.राजेश पाटीदार ने ईव्हीएम में मतों की गिनती की प्रक्रिया को प्रजेंटेशन के माध्यम से समझाया।

गणना टेबल लगेगी- प्रशिक्षण में बताया गया कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के मतों की गिनती के लिए 14-14 टेबले मतगणना कार्य में लगेगी। प्रत्येक गणनाकक्ष में एक-एक सहायक रिटर्निग आफीसर भी तैनात किये गये है। इसके अलावा प्रत्येक गणना टेबल पर एक मतगणना पर्यवेक्षक, मतगणना सहायक तथा एक माईक्रो आब्जर्वर भी तैनात रहेगे। गणना में लगे, सभी कर्मचारियों को मतगणना स्थल पर प्रात:6 बजे उपस्थित होना होगा।इन कर्मचारियों का रेण्डमाईजेशन करने के लिए चुनाव प्रेक्षक एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रात: 6 बजे उपस्थित होकर यह कार्य सम्पन्न करेगे। कलेक्टर द्वारा प्रशिक्षित कर्मचारियों की सूची प्रेक्षक को दी जाएगी। एक सूची मतगणना पर्यवेक्षक की तथा दूसरी सूची मतगणना सहायकों की होगी। गणना पर्यवेक्षक और सहायकों को एक यूनिक सीरियल या कोड नम्बर भी आंवटित किया जाएगा। रेण्डमाईजेशन की प्रक्रिया चुनाव पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में होगी और इसकी रेकार्डिग भी की जाएगी। गणना के लिए रिजर्व कर्मचारियों को भी नियुक्त किया जाएगा। प्रत्येक चक्र की गणना होने के उपरांत रिर्टनिंग आफीसर दवारा सारणीकरण कर, प्राप्त मतो का विवरण प्रेक्षक से प्रतिहस्ताक्षरित करने के बाद ही उदघोषित किया जा सकेगा। प्रशिक्षण में निर्देश दिए गए कि गणना कार्य में संलग्न कर्मचारी सही रिपोर्ट करेगे।

# रेबीज फ्री सिटी योजना में होगा श्वानों की संख्या पर नियंत्रण

**रतलाम , गुरु एक्सप्रेस 28 नवम्बर निप्र।** शहर में श्वानों के हमले, काटने की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए अब रेबीज फ्री सिटी योजना में काम होगा। इसमें श्वानों के हमले से बचाव के लिए जरूरी सावधानियों की जानकारी देने के साथ ही वैक्सीनेशन, बधियाकरण किया जाएगा।

केंद्र ने रतलाम सहित प्रदेश के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर व उज्जैन शहर के लिए रेबीज फ्री सिटी योजना स्वीकृत की है। सितंबर माह में मिली स्वीकृति के बाद आचार संहिता के कारण प्रक्रिया रूक गई थी, जिसे अब पूरा किया जाएगा। नेशनल रेबीज कंट्रोल प्रोगाम की निगरानी में जनवरी से इस पर काम शुरू हो जाएगा।

### सबसे ज्यादा मामले इंदौर में

मालूम हो कि डाग बाइट के सबसे ज्यादा मामले इंदौर में आते हैं, इसके बाद रतलाम का नंबर आता है। रेबीज फ्री सिटी योजना के लिए राज्य शासन से पांच शहरों के लिए प्रस्ताव भेजा गया था। इस योजना में होने वाले खर्च का भार इन शहरों की नगर निगम को उठाना पड़ेगा।

### समिति बनाकर होगा काम

वन विभाग, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, पशुचिकित्सा विभाग के अधिकारियों की एक समिति बनाकर काम होगा। श्वानों के हमले अधिकांश बच्चों पर होते हैं, इसे ध्यान में रखकर स्कूलों में इससे बचाव के लिए भी जागरुकता आधारित जानकारी स्टडी मटेरियल के रूप में दी जाएगी।

रेबीज के संबंध में जन जागरण व एंटी रेबीज वैक्सीन लगाने का कार्य स्वास्थ्य विभाग, पेटस का पंजीकरण, श्वान बधियाकरण कार्य नगर निगम, पशु चिकित्सा व पशुपालन विभाग द्वारा श्वानों व अन्य पालतू जानवरों के टीकाकरण व बंध्याकरण का कार्य किया जाएगा। वन विभाग भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा क्योंकि रेबीज श्वानों के अलावा बिल्ली, बंदर, भेड़िया आदि अन्य जानवरों से भी फैलता है। इसके साथ ही श्वानों के हिंसक व आक्रामक होने की वजह का पता लगाने के साथ ही उनके व्यवहार का अध्ययन किया जाएगा।

### इनका कहना है

केंद्र से रेबीज फ्री सिटी योजना में प्रदेश के पांच शहरों के लिए स्वीकृति मिली है। स्थानीय निकायों द्वारा बजट का प्रविधान करने के बाद इस पर कार्य शुरू होगा। वन विभाग, स्वास्थ्य विभाग का भी सहयोग लिया जाएगा।

-डा. नमिता नीलकंठ, नोडल अधिकारी, नेशनल रेबीज कंट्रोल प्रोगाम, मप्र

रेबीज फ्री सिटी योजना को लेकर अभी अधिकृत जानकारी नहीं मिली है। नगर निगम के पास बजट की कमी नहीं है। मुख्यालय से जानकारी मिलने के बाद आगे की कार्रवाई करेंगे।

-एपीएस गहरवार, निगमायुक्त, नगर निगम रतलाम

# प्रत्याशियों को सता रहा नोटा का डर, 2018 विधानसभा चुनाव में 16 सीटों पर बिगड़ गया था खेल

**भोपाल , गुरु एक्सप्रेस 28 नवम्बर निप्र।** मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव की वोटिंग 17 तारीख को संपन्न हो चुकी है। आने वाले 3 तारीख को वोटों की काउंटिंग होगी। जिसको लेकर सभी पार्टियों के प्रत्याशियों की सांसे अपने प्रतिद्वंदियों के डर से अटकी हुई हैं। वहीं दूसरी ओर नोटा का डर भी सता रहा है। पिछले 2018 विधानसभा चुनाव में नोटा ने कुल 16 सीटों प्रत्याशियों का खेल बिगाड़ दिया था।

बता दें कि पिछले विधानसभा चुनाव में कुल 16 सीटों पर हार जीत का अंतर नोटा को मिले वोट से कम था। जिनमें कुल 15 सीटों पर नोटा को 5 हजार से अधिक वोट मिले थे। कुल 34 सीटों पर नोटा दूसरे नंबर पर था। इन आंकड़ों से प्रत्याशियों को चिंता है कि यह वोट कटेंगे तो उनके वोटों की गणित बिगड़ सकती है। उन सीटों पर तो ज्याद डर है जहां पिछले चुनाव में नोटा को ज्यादा वोट मिले थे।

नोटा को मिले वोटों के पिछले आंकड़ों को देखें तो वर्ष 2018 के चुनाव में नोटा को 5 लाख 40 हजार वोट मिले थे। वर्ष 2013 के विधानसभा चुनाव में 6 लाख 51 हजार 510 वोट मिले थे।

2018 के चुनाव में भैंसदेही सीट पर सबसे अधिक नोटा को 7 हजार 948 वोट मिले थे। दूसरे नंबर पर महाकोशल और मालवा-निमाड़ की सीटें थी जहां पर नोटा को सबसे अधिक वोट मिले थे। वहीं अगर विन्ध्य क्षेत्र की बात करें तो यहां पर नोटा को तीन हजार से अधिक वोट मिले थे।

पिछले विधानसभा चुनाव में कोलारस, बीना, थांदला, राजनगर, दमोह, नागोद, बांधवगढ़, जबलपुर उत्तर, टिमरनी, नेपानगर, राजपुर, जोबट, पेटलावद, इंदौर-5, सुवासरा और गरोठ सीट पर जीत-हार के अंतर से ज्यादा वोट नोटा को मिले थे।

वहीं इंदौर-1, इंदौर-2, इंदौर-5, महू, राऊ, रतलाम ग्रामीण, आलोट, मनासा, नीमच, पानसेमल, राजपुर, सेंधवा, कसरवाद, भीकनगांव, हदसूद, आगर, हुजूर, सांची, उदयपुरा, भैंसदेही, बैतूल, छिंदवाड़ा, गाडरवाड़ा, नरसिंहपुर, गोटेगांव, जबलपुर पश्चिम, अनूपपुर, रहली और चाचौड़ा की सीटों पर नोटा तीसरे नंबर पर रहा था।

# हत्या के मुख्य आरोपी सहित दो नाबालिग गिरफ्तार, पेड़ पर छिपाया था चाकू

**रतलाम, गुरु एक्सप्रेस 28 नवम्बर निप्र। सैलाना पुलिस ने बरात में चाकू लहराकर नाचने से मना करने पर युवक की चाकू घोंपकर हत्या करने के मामले में मुख्य आरोपित 21 वर्षीय सूरज पुत्र गेंदालाल दायमा निवासी ग्राम शिवपुर थाना बिलपांक व उसके दो नाबालिग साथियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर लिया है।**

**मुख्य आरोपित को सोमवार को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। वहीं नाबालिगों को बाल न्यायालय में पेश किया गया था, जहां से उन्हें बाल संप्रेक्षण गृह भेजा गया।**

### यह था मामला

पुलिस के अनुसार सैलाना थाना क्षेत्र के ग्राम दिवेल में 25 नवंबर को मीराबाई पत्नी दिलीप की छोटी पुत्री खुशी की बरात उज्जैन जिले के ग्राम राजपुर रायती थाना भाटपचलाना से आई थी। रात में बरात में आरोपित सूरज हाथ में चाकू लहराकर नाचते हुए चलने लगा।

**रोकने पर विवाद-** खुशी के जीजा 25 वर्षीय नरेंद्र राठौर पुत्र जगदीश राठौर निवासी राजपुर रायती ने उसे रोका तो वह विवाद करने लगा। रात करीब साढ़े बारह बजे शादी कार्यक्रम समाप्त होने के बाद बरात वापस वाहन से राजपुर रायती लौट रही थी, तभी रास्ते में बरातियों पर पत्थर फेंके थे, इससे नरेंद्र की मौसी का लड़का मनोज डाबर घायल हो गया था। उसने नरेंद्र को फोन लगाकर को घटना की जानकारी दी थी।

### रेस्टोरेंट के पास बुलाकर की थी हत्या

नरेंद्र ने सूरज के एक नाबालिग साथी को फोन लगाकर बात की थी तो उसने कहा था कि वे धामनोद में एक रेस्टोरेंट के बाहर खड़े हैं। कुछ देर बाद नरेंद्र कुछ साथियों के साथ वहां पहुंचा तो सूरज व उसके साथियों ने नरेंद्र के साथ मारपीट शुरू कर दी थी। वहां संभल पाता, उसके पहले ही आरोपित सूरज ने नरेंद्र के पेट में चाकू घोंप दिया था। इससे उसकी मौत हो गई थी।

### पेड़ पर बोरे के अंदर छिपा दिया था चाकू

थाना प्रभारी अय्यूब खान ने बताया कि आरोपितों की तलाश के दौरान सूचना मिली कि मुख्य आरोपित सूरज ग्राम बड़ौदा में अपनी नानी के खेत में छिपा हुआ है। वहां दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उसने घटना में प्रयुक्त चाकू खेत पर ही एक पेड़ पर रखे बोरे के अंदर रखकर छिपाना बताया। उसकी निशानदेही पर वहां से चाकू जब्त किया गया। उसके करीब 17 वर्षीय दोनों नाबालिग साथियों को उनके घरों से हिरासत में लिया गया।

## सभी 41 मजदूरों को सुरंग

... पेज 1 से जारी

अंदर का दृश्य दिखा।

### झारखंड के थे सबसे ज्यादा, किस राज्य के कितने मजदूर

बता दें कि सुरंग में फंसे 41 मजदूरों में सबसे अधिक 15 मजदूर झारखंड, 8 उत्तर प्रदेश, 5 ओडिशा, 5 बिहार, 3 पश्चिम बंगाल, 2 उत्तराखंड, 2 असम और 1 हिमाचल प्रदेश के रहने वाले हैं।

### सबसे पहले निकाले गए झारखंड के विजय होरो

हादसे के 17 वें दिन मंगलवार देर शाम झारखंड के रहने वाले दो मजदूर विजय होरो और गणपति को बाहर निकाला गया. उन्हें प्राथमिक उपचार देने के बाद इलाज के लिए एंबुलेंस से अस्पताल भेजा दिया गया।

### सीएम धामी ने की मजदूरों से मुलाकात

सीएम धामी ने बचाए गए मजदूरों से मुलाकात की है। उन्होंने सभी मजदूरों की पीठथपथपाई और उनका तालियां बजाकर स्वागत किया। सभी मजदूर 17 दिनों से सुरंग में फंसे हुए थे। उनके चेहरे पर जिंदा बचने की खुशी दिखाई दे रही थी।

# नपा का क्लीन टॉयलेट अभियान प्रारंभ

**मंदसौर, गुरु एक्सप्रेस 28 नवम्बर निप्र।** क्लीन टॉयलेट कैंपेन शासन आदेशानुसार एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी महोदय के निर्देशानुसार क्लीन टॉयलेट कैंपेन अतर्गत प्रतिदिन निकाय के सार्वजनिक और समुदायिक शौचालयों की विशेष साफ-सफाई की जा रही है एवं नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। सभी सार्वजनिक और समुदायिक शौचालयों का कायाकल्प सुनिश्चित करने के लिए 5 सप्ताह तक संचालित किए जाने वाले सामूहिक स्वच्छता और रखरखाव अभियान जिसके तहत निकाय के सार्वजनिक और समुदायिक शौचालयों पर मुलभूत सुविधाओं सुनिश्चित करने हेतु निरंतर प्रयास किये जा रहे है।

# कप नही, दिल जीता...

**मंदसौर, गुरु एक्सप्रेस 28 नवम्बर निप्र।** खेल चाहे कोई भी हो उसमे अनिश्चितता होती ही हे। क्रिकेट विश्वकप के फाइनल मैच में हारना भारतीय टीम व भारतवासियो के लिए निराशाजनक रहा। विश्वकप क्रिकेट के अंतिम मुकाबले में किसी को भी उम्मीद नही थी की पूरी प्रतियोगिता में अजेय रही भारतीय टीम फाइनल मैच में पराजित हो जाएगी और जिस प्रकार का प्रदर्शन भारतीय खिलाड़ियों ने पूरे विश्वकप में किया था उसे देखकर तो बिलकुल भी नही। इस पराजय से यही साबित हुआ क्रिकेट अनिश्चितताओ का खेल हे। भारतीय टीम के सामने प्रशंसको की उम्मीदो का बोझ होना भी स्वाभाविक था ऐसे में खिलाड़ियों पर अतिरिक्त दबाव भी होगा इसका असर फाइनल मैच के प्रदर्शन में कन्ही न कन्ही सामने भी आया। पूरा देश इस बात के लिए उत्साहित था की दीपावली के बाद एक बार फिर उन्हे दीपावली मनाने का अवसर मिलने वाला हे किंतु ऐसा हो नही सका। लेकिन उस एक दिन को छोड़ दिया जाए तो विश्वकप में भारतीय टीम अपने सभी मैच जीतकर सही अर्थों में चेंमपियन रही।

**पत्र संपादक के नाम**

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

**गौरव सोनी, मंदसौर**

पराजय में भी जय छिपी होती हे जितना खेले शानदार खेले। कप जितने से बड़ा दिल जीतना होता हे और अपने इस प्रदर्शन से भारतीय टीम ने निश्चित रूप से दिल जीता है। हार जीत तो लगी रहती हे। फाइनल मैच में न जितने का मलाल तो हे पर कोई बात नही फिर आगे जीतेंगे।

देश जीत में भी भारतीय टीम के साथ था और हार में भी आपके साथ है। देश को भारतीय खिलाड़ियों पर गर्व हे। आपका ये उम्दा प्रदर्शन क्रिकेट जगत के सुनहरे पन्नो में हमेशा दर्ज रहेगा। मैच ही तो हारे हे हिम्मत नही। आई सीसी ने विश्वकप समाप्ति के बाद टीम आफ द टूर्नामेंट का जो ऐलान किया उसमे ग्यारह खिलाड़ियों में से छह भारतीय खिलाड़ियों को स्थान दिया गया और पूरे विश्वकप के सभी प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भारतीय खिलाड़ी ही रहे जो भारतीय टीम के विश्वकप में किए गए अभूतपूर्व प्रदर्शन से ही संभव हुआ। भारतीय टीम के प्रयासो में कोई कमी नही थी इसलिए इस हार का महत्त्व भी जीत से कम नही। जीवन का रस ही हार जीत में हे। जैसे एक रंग से कोई आकर्षक चित्र नही बन सकता हे वैसे ही हार और जीत दोनो के रंग से ही खेल में आकर्षण और कुछ नया करने की ललक पैदा होती हे। अनवरत जीत हमे विश्व का एक ही रूप दिखाती हे जबकि हार चित्र के दूसरे रूप को भी स्पष्टकरती है। खेल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए वो सबकुछ करना चाहिए जिसकी योग्यता आपके भीतर हे और आपका सबसे अच्छा प्रदर्शन जो होगा वह आपकी जीत से कन्ही अधिक और ऊपर होगा। खेल का मैदान हो या जीवन का सफर सदेव अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करना चाहिए। उसके बाद जीत हासिल हुई तो ठीक और यदि हारे भी तो हार काफी हद तक जीत से बेहतर होगी। चार वर्ष में एक बार होने वाली विश्वकप जेसी प्रतियोगिता का फाइनल एक के बजाए तीन मेचो से निर्धारित करने का विचार विश्वकप के आयोजको को करना चाहिए जिससे फाइनल जैसा मुकाबला नीरस न हो उसमे रोमांच की गुंजाइश बनी रहे और जिससे कोई एक बुरा दिन किसी सर्वश्रेष्ठ टीम पर भारी न पड़े और उसे एक और अवसर भी मिल जाए। जिससे वह वापसी कर पाए और अनिश्चितता और परिस्थिति जनक कोई विजेता न बन पाए।

# यात्री बस खाई मे गिरी, 35 जन घायल, 6 गंभीर

**मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** मंदसौर से निकली निजी ट्रेवल्स की बस प्रतापगढ़ जिले में दुघर्टना ग्रस्त हो गई। बस अनियंत्रित होकर 25 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में 35 यात्री घायल हो गए। इनमें से 6 की हालत गंभीर है। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। बस मंदसौर से जोधपुर जा रही थी। हादसा प्रतापगढ़ शहर से 15 किमी पहले मंदसौर रोड पर हथुनिया इलाके में हुआ।

जानकारी के अनुसार, सोमवार रात करीब 8.30 बजे मंदसौर से प्रतापगढ़ की ओर जा रही निजी यात्री बस हथुनिया की पुलिया पर अचानक अनियंत्रित हो गई। बस करीब 100 मीटर दूर सवारियों के बैठने के लिए बनी कुर्सियों को तोड़ती हुई पुलिया से नीचे 25 फीट गहरी खाई में जा गिरी।

यात्री भैरूलाल ने बताया बस तेज रफ्तार में थी। ज्यादातर यात्री सोए हुए थे। मैं भी नींद में था। अचानक तेज धमाका हुआ और बस दो-तीन बार पलटी खा गई। अंधेरा था और हम कुछ नहीं समझ पाए कि क्या हुआ है। मैं तो बेसुध सा हो गया था। फिर किसी तरह से बाहर निकाला। आसपास के लोग भी फंसे हुए घायलों को बाहर निकाल रहे थे। मौके पर पहुंचे एक युवक समीर खान ने बताया- मेरा घर पास में ही है। तेज आवाज सुनकर मैं और कुछ लोग मौके पर पहुंचे। हमने देखा कि बस खाई में गिरी हुई थी। हम तुरंत पुलिया से नीचे उतरे और बस तक पहुंचे। अंदर कई यात्री फंसे हुए थे। हमने बस के शीशे तोड़ कर उन्हें बाहर निकाला। सूचना पर हथुनिया पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को प्रतापगढ़ के बड़े अस्पताल ले जाया गया। एडिशनल एसपी ऋषिकेश मीणा, एसडीएम राजेश नायक और पीएमओ डॉ. ओपी दायमा भी अस्पताल पहुंचे। बस में सवार ज्यादातर यात्री मध्य प्रदेश के मंदसौर और झालावाड़ (राजस्थान) जिले के रहने वाले हैं। घायलों में 13 महिलाएं, 19 पुरुष और 1 बच्चा शामिल है। बस का ड्राइवर भी घायल है।

### 41 मजदूरों की होगी

अब टनल से रिहाई  
उजालों की रात  
हुई अंधेरे की घात  
फंसे 41 मजबूर  
हुए जिंदगी से दूर  
आगर मशीन चली  
बनी मलबे में गली  
कई बार आई बाधा  
रुका चला काम आधा  
अब हो रही है  
चूहों सी खुदाई  
41 मजदूरों की होगी  
अब टनल से रिहाई।  
**नंदकिशोर राठौर, मंदसौर**

# स्वास्थ्य जागरूकता की आवश्यकता

**मंदसौर, गुरु एक्सप्रेस 28 नवम्बर निप्र।** लगभग प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी रोग से ग्रसित है। रोगों का कारण आहार, विचार, व्यवहार का विकृत होना है। जो नियमित, संयमित, प्राकृतिक जीवन अपनाता है उसके रोगी होने की आशंका कम रहती है। विज्ञान की असाधारण प्रगति के बाद भी चिकित्सा विज्ञान शरीर और इसके रोगों के सभी रहस्यों को जान नहीं पाया हैं। निरंतर शोध और अनुसंधान के बावजूद पूर्ण स्वस्थ रहने के सूत्र विज्ञान नहीं खोज पाया हैं फिर भी यह वास्तविकता है कि स्वास्थ्य सम्मत जीवन शैली अपनाने से रोगों से दूर रहने की संभावना अधिक रहती है। जब आधुनिक जीवन पद्धति के बहाने जीवन में कृत्रिमता व असंयम का प्रवेश हो जाता है तब अनेक रोग घेर लेते है। मांसाहार, मदिरापान, धूम्रपान, वासना, देर से सोना व देर से उठना, अति आहार तथा अप्राकृतिक आहार रोगों की जननी है। मन की अशांति व मानसिक तनाव भी रोगों का कारण है खाद्य पदार्थों में मिलावट व सब्जियों फलों तक में विकृति स्वास्थ्य के लिये घातक हो रही है। कैंसर, मधुमेह, रक्तचाप, हृदय रोग, पक्षाघात, अपचन, श्वास, दर्द और ऐसे अनेक रोगों से मनुष्य को अपनी चपेट में ले लिया है। आंख, कान, नाक, त्वचा के रोग भी सर्वव्यापी है। असंख्य रोग हो रहे है। रोगों को उपचार व चिकित्सा बहुत महंगी है जिसे साधारण व्यक्ति वहन करने में असमर्थ है। सरकारों का प्रथम दायित्व जनसाधारण की चिकित्सा उपलब्ध करवाना है। किन्तु लोक लुभावन योजनाओं के आगे चिकित्सा सेवा पिछड गई है। सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर नहीं है न संतोषजनक उपचार है। सरकारी अस्पतालों के प्रति लोगों का विश्वास उठ गया है। इस कारण जो आर्थिक रूप से समर्थ नहीं है वे भी निजी अस्पतालों की ओर रूख करते है। जांच, परिचर्या, औषधी व चिकित्सा के नाम पर कितना आर्थिक दोहन होता है। यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। समाजसेवी संस्थाएं चिकित्सा शिविर लगाती हैं तथा नि:शुल्क या रियायती दर पर चिकित्सा सेवा देती है। इनमें सेवा देने वाले चिकित्सकों का परिचय भी हो जाता है और कुछ रोगी राहत भी पाते हैं इस प्रकार के शिविरों की अपनी उपयोगिता है इसमें कोई संदेह नहीं है। बीमारों का उपचार पुण्य कार्य है। बीमार होने पर उपचार व चिकित्सा देने से भी अधिक जरूरी व पुण्य कार्य यह हो सकता है कि जनसाधारण को उन सूत्रों से अवगत कराया जाये जिनको अपनाकर वह निरंतर स्वस्थ रहे और बीमार न हो। कोई भी बीमारी स्वयं की विकृत जीवन शैली का परिणाम होती है। एलोपैथी, आयुर्वेदिक, होम्योपैथी व सभी चिकित्सा पद्धतियों में यह मान्य किया गया है कि स्वस्थ जीवन शैली, अपनाकर स्वस्थ रहा जा सकता है। खासकर प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति में तो आहार, श्रम, विश्राम, मानसिक शांति व आध्यात्मिक आस्था को स्वास्थ्य का आधार माना गया हैं इसमें आहार को मैदा बनाकर, तलकर व अनेक प्रकार से पका कर उपयोग में लेने को रोग का कारण बताया गया है। फल, मेवा, सब्जी और प्राकृतिक स्वरूप में आहार लेने से पच जाता है और शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। अधिक आहार करने से पाचन तंत्र, बोझिल बन जाता है। अनपचा आहार विजातीय पदार्थ के रूप में शरीर में जमा हो जाता है और अनेक रोगों को जन्म देता है। शारीरिक श्रम के बिना आहार पचता नहीं है। इसलिये सीमित मात्रा में प्राकृतिक एवं संतुलित आहार ग्रहण करने व खेलकूद, व्यायाम, पैदल घूमना, योग आदि के माध्यम से श्रम में संलग्नता स्वास्थ्य के सूत्र है। व्यक्तिगत व सामुदायिक स्वच्छता, शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध आहार भी स्वास्थ्य के लिये जरूरी है। इसलिये बीमार होने पर चिकित्सा प्रदान करने से भी अधिक उपयोगी लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। चिकित्सा शिविरों की तरह स्वास्थ्य जागरूकता शिविर लगाये जाने की आवश्यकता है ताकि इनके माध्यम से स्वस्थ रहने के सूत्र बताये जाएं तथा अभ्यास भी कराया जाए। अभी कई संस्थाएं ऐसे आयोजन करती है। एक कुशल व सेवाभावी चिकित्सक अपने रोगी को उपचार व औषधी के साथ-साथ रोग की सम्पूर्ण जानकारी, रोग का कारण व उससे मुक्त रहने के उपाय व रोग हो जाने पर स्वस्थ होने के उपाय समझाता है।

विद्यार्थियों को प्रारंभ से ही स्वस्थ रहने के उपाय बताने से उनका भावी जीवन उत्तम स्वास्थ्य से परिपूर्ण रह सकता है। पहला सुख निरोगी काया का सूत्र अकाट्य है। इसे अर्जित करना भी संभव है। शरीर स्वास्थ्य का संबंध मन की शांति से भी है जो तनाव मुक्त रहता है उसका स्वास्थ्य उत्तम रहता है। इसके लिये अध्यात्म की राह पर चलने की आवश्यकता होती है।

ब्रह्म मुर्हूत में उठना, प्रार्थना, स्वाध्याय, आत्मचिंतन करना, प्रकृति की गोद में, कुछ समय बिताना, अपने दैनिक कार्यों वं रोजगार में ईमानदारी अपनाना, प्रतिदिन कोई न कोई परमार्थ का कार्य करना व आत्म अवलोकन के माध्यम से अपने जीवन को सतत परिष्कृत करना, अच्छे स्वास्थ्य के लिये आवश्यक है। जो व्यक्ति सादगी और सदाचार का जीवन जीता है। वह पूर्ण स्वस्थ रहता है फिर भी यदि रोग हो जाता है तो उसका कष्टउसे सताता नहीं है उसे रोग का कष्ट समभाव पूर्वक सहने की क्षमता अर्जित हो जाती है। इसलिये स्वास्थ्य जागरूकता अभियान की बड़ी आवश्यकता है। जब प्रत्येक व्यक्ति को यह बोध होगा कि अपना स्वास्थ्य, अपने हाथ तब ही रोगों से राहत मिलेगी।

.-**प्रकाश रातड़िया, मंदसौर,**

## मंदसौर मंडी भाव

| उपज | आवक बोरी में | न्यूनतम | अधिकतम |
|---|---|---|---|
| मक्का | 304 | 2050 | 2461 |
| उड़द | 37 | 5000 | 10650 |
| सोयाबीन | 9000 | 4400 | 5100 |
| गैहु | 2152 | 2431 | 3001 |
| चना | 67 | 5100 | 5775 |
| मसुर | 81 | 4200 | 6092 |
| धनिया | 259 | 6201 | 7352 |
| लहसुन | 13000 | 10000 | 24000 |
| मैथी | 428 | 5151 | 6459 |
| अलसी | 1076 | 4700 | 5301 |
| सरसो | 286 | 5110 | 5330 |
| तारामीरा | 3 | 4799 | 4821 |
| इसबगोल | 36 | 17000 | 20200 |
| प्याज | 900 | 700 | 4400 |
| कलोंजी | 51 | 14200 | 16631 |
| डॉलर | 36 | 6001 | 14700 |
| तिल्ली | 5 | 14751 | 15730 |
| मटरसुखी | - | - | - |
| असालीया | 15 | 10151 | 10151 |

## श्री प्रकाशचंद डोसी के निधन पर दान और सेवा की मिसाल पेश की डोसी परिवार ने

# आधुनिक शव वाहन के लिए 11 लाख की राशि, नेत्र दान भी किया

**मंदसौर, गुरु एक्सप्रेस 28 नवम्बर निप्र।** नगर के प्रमुख समाजसेवी और कर सलाहकार प्रकाशचंद्र डोसी का दुखद निधन 26 नवम्बर 2023 रविवार को हो गया था। उनके निधन के पश्चात् उनके पुत्र सीए प्रतिक डोसी ने दान और सेवा की एक मिसाल कायम की है। अपने पिताजी के संस्कारों और आदर्शों को मानते हुए प्रतीक डोसी ने उनके निधन पर विभिन्न मंदिरों, सेवाभावी ट्रस्ट मंडलों को दान राशि भेंट कर अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।

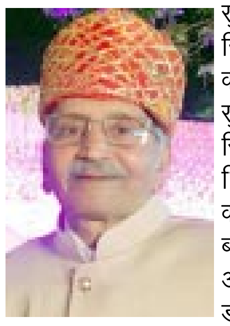

प्रकाशचंद्र जी डोसी के निधन पर डोसी परिवार द्वारा 11 लाख रुपये से अधिक राशि का शव वाहन दान देने की घोषणा की। यह शव वाहन अत्याधुनिक सुविधाओं से लेस होगा जिसमें म्यूजिक सिस्टम, कूलिंग कंप्रेसर आदि सुविधाएं होगी। म्यूजिक सिस्टम का उद्देश्य यह है कि किसी आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के ऊपर बैंड बाजे के खर्च का भार नहीं आयें। यह शव वाहन प्रतीक डोसी द्वारा तैयार करवाकर अन्नक्षेत्र कमेटी मंदसौर को सौंपा जायेगा जिसका संचालन भी अन्नक्षेत्र कमेटी मंदसौर ही करेगी। इसके साथ सीए प्रतीक डोसी द्वारा कोरोना काल से पूर्व से संचालित किये जा रहे विमला प्रकाश पुंज डोसी फाउंडेशन में भी पांच लाख रुपये दिये। जिसका उपयोग मेडिकल उपकरणों को लाने में किया जायेगा।

यहां यह उल्लेखनीय है कि प्रतीक डोसी द्वारा कोरोना काल से पूर्व यह ट्रस्ट संचालित किया जा रहा है जिसमें ऑक्सीजन कॉन्सेंटेट्र मशीन, ऑक्सीजन सिलेंडर, वॉकर, मेडिकल बेड, मेडिकल स्टूल जैसे मेडिकल उपकरणों को जरूरतमंदों को निशुल्क दिया जाता है। इस ट्रस्ट लाभ अभी तक सैकड़ों लोग उठा चुके है एवं कोरोना काल में इस ट्रस्ट द्वारा सराहनीय सेवाएं दी थी। अब दी गई दान राशि से इस ट्रस्ट में नवीन आधुनिक मेडिकल उपकरणों को खरीदा जायेगा।

इसके अलावा डोसी परिवार द्वारा मुक्तिधाम पर लकड़ी हेतु 54 हजार की राशि भेंट की गई। वहीं श्री विघ्नहरा पाश्वनाथ मंदिर खिलचीपुरा, श्री अजितनाथ जैन मंदिर जनकुपूरा, पद्मावती देवी मंदिर जीवागंज, श्री आदिनाथ जैन मंदिर नयापुरा, श्री नाकोडा पाश्वनाथ जैन मंदिर नाकोड़ा नगर, श्री श्रेयांसनाथ जैन मंदिर नई आबादी, सहस्त्रफणा पार्श्वनाथ जैन मंदिर नई आबादी, रूपचांद आराधना भवन चैधरी कॉलोनी, आदिनाथ विहार जैन मंदिर, तलेरा विहार जैन मंदिर, मेघदूत नगर जैन मंदिर, नवलखा पार्श्वनाथ जैन मंदिर, जैन कॉलेज, आदिनाथ जैन मंदिर शहर, जगवल्लभ पार्श्वनाथ जैन मंदिर खानपुरा, पद्मावती जैन मंदिर पद्मावती नगर, नई पौषधशाला धनकुट्टा गली, गौपालकृष्ण गौशाला, सेवा बैंक गांधी चौराहा, शनि मंदिर खानपुरा, अभा खतरगच्छ महिला मंडल, सूर्य महिला मंडल, ओसवाल बडे साथ महिला मंडल, नयापुरा जैन दादावाडी मंदिर कुल 18 मंदिरों और 5 सामाजिक संस्थाओं को प्रत्येक को 5100 - 5100 रूपये की राशि भेंट की गई।

समस्त डोसी परिवार द्वारा अपने पितृ पुरुष के निधन पर उनकी यादों को चिर स्थाई बनाने हेतु यह दान और सेवा की जो मिसाल कायम की है यह वाकई में बधाई और साधुवाद के पात्र है। आडम्बरों से ऊपर उठकर इस प्रकार की सोच निश्चित रूप से समाज को नई दिशा देगी।

## मतगणना स्थल पर समुचित व्यवस्था करें – कलेक्टर

### मतगणना की तैयारी एवं साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न

**मंदसौर, गुरु एक्सप्रेस 28 नवम्बर निप्र।** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में मतगणना की तैयारी एवं साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सुशासन भवन के सभाकक्ष में आयोजित की गई।

बैठक के दौरान उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि मतगणना स्थल पर समुचित व्यवस्था करें। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विशाल सिंह चौहान एवं समस्त जिला अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में कलेक्टर श्री यादव ने निर्देश देते हुए कहा कि मतगणना स्थल पर सभी व्यवस्थाएँ सुचारू तरीके से करें। मतगणना स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था, पर्याप्त बिजली व्यवस्था, बेकप हेतु जनरेटर, भोजन-पानी, चाय नास्ता की पर्याप्त व्यवस्था रहें। मतगणना के दिन विद्युत की सतत आपूर्ति हो और किसी भी वजह से मतगणना प्रभावित न हो। मतगणना में लगे अधिकारी एवं कर्मचारीयों को उन्हें चाय, नास्ता, भोजन-पानी आसानी से उनकी टेबल पर उपलब्ध कराया जायें। बैठक में उन्होंने कहा कि 181 के लंबित प्रकरण एवं जनसुवाई के संबंधित में आवेदन का निराकरण करें।

## आदिगौड़ ब्राम्हणो का दीपावली मिलन सम्पन्न

**मंदसौर, गुरु एक्सप्रेस 28 नवम्बर निप्र।** आदिगोड़ ब्राम्हण समाज के परिवारों का दीपावली मिलन समारोह एवं अन्नकूट प्रसादी का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। समाज के सचिव प. सुनील व्यास ने बताया कि आदिगोड़ ब्राम्हण समाज के परिवारों का दीपवली मिलन आयोजन श्रम शिविर मंदसौर मे आयोजित हुआ। इस अवसर पर संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ किया जाकर आरती सम्पन्न हुई, तथा अमलेश्वर महादेव मंदिर मे अन्नकूट प्रसादी जा भोग लगाया गया। आदिगोड़ ब्राम्हण समाज कि प्रमुख श्रीमती विद्या उपाध्याय के नेतृत्व मे सुन्दरकाण्ड के साथ गरबे, नृत्य, व भजन आदि मे समाज कि महिलाओ ने एक ड्रेस कोड मे सम्मिलित होकर उत्साह से भाग लिया। समाज के अध्यक्ष श्री सुरेश हरनारायणजी शर्मा पेट्रोल पम्प वाले, सचिव प.सुनील व्यास, कोषाध्यक्ष प.गायत्री प्रसाद शर्मा एवं महिला प्रमुख श्रीमती विद्या उपाध्याय ने सभी समाज जनो का आभार व्यक्त किया।

## सार्वजनिक बगीचों में भोजन-नाश्ता के आयोजन पर प्रतिबंध लगे

### नूतन स्कूल स्थित हर्बल गार्डन में स्वच्छता अभियान चलाया

**मंदसौर, गुरु एक्सप्रेस 28 नवम्बर निप्र।** गायत्री परिवार के स्वच्छता अभियान के अंतर्गत श्रमदानियों द्वारा निरंतर नगर के जल स्त्रोतों एवं उद्यानों में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में श्रमदानियों ने नूतन स्कूल परिसर स्थित हर्बल गार्डन में साफ-सफाई की।

श्रमदानी रमेश सोनी ने कहा कि मंदसौर नगर की कॉलोनियों में बगीचे बने हुए है। नगरपालिका के साथ-साथ इन कॉलोनी के निवासियों का भी कर्तव्य है कि वे इन बगीचों की स्वच्छता एवं हरियाली का ध्यान रखे। कई बार इन बगीचों में कार्यक्रम होते है इन कार्यक्रमों के दौरान वहां भोजन नाश्ता आदि का कचरा वहीं छोड़ दिया जाता है जिससे वह गंदगी का रूप ले लेता है। बगीचों में होने वाले ऐसे आयोजनों पर प्रतिबंध लगना चाहिए। जिससे वहां की स्वच्छता कायम रह सके।

योगेश सिंह सोम ने कहा कि धरती मॉ को गंदा न करे। हमेशा स्वच्छता का ध्यान रखे। अगर कोई सफाई नहीं कर सकता है तो उसे गंदगी करने का भी अधिकार नहीं है। आपने कहा कि अगर गंदगी ऐसी ही बढती रही तो पर्यावरण प्रदूषण एक दिन बहुत बड़ी समस्या के रूप में खड़ा हो जायेगा। श्रमदानी मांगीलाल ने कहा कि गायत्री परिवार से जुड़कर श्रमदान करने से शरीर स्वच्छ और मन स्वस्थ रहता है। सभी को श्रमदान से जुड़ना चाहिये। लक्षकार समाज के हेमंत, शंकर, लोकेश व मांगीलाल ने इस दौरान गायत्री परिवार की सदस्यता ली। आपने कहा कि वह हर्बल गार्डन में आकर स्वास्थ्य लाभ लेते है। वह यहां की सफाई में सहयोग प्रदान करेंगे तथा अन्य लोग जो हर्बल गार्डन में आते है उनसे भी यहां साफ सफाई रखने हेतु निवेदन करेंगे। श्रमदान में कैलाश पटेल, रमेश सोनी, मांगीलाल, योगेशसिंह सोम, उमेश एडवोकेट, दिव्या बहन, गायत्री परिवार की माया बहन, हर्बल गार्डन के प्रभारी आदि ने सहभागिता की।

## कलेक्टर जैन ने किया मतगणना केंद्र एवं स्ट्रांग रूम परिसर का निरीक्षण

**नीमच, गुरु एक्सप्रेस 28 नवम्बर निप्र।** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन ने मंगलवार को विधानसभा निर्वाचन-2023 के तहत नीमच में मतगणना के लिए स्थापित मतगणना केंद्र शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमच के परिसर एवं स्ट्रांग रूम परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर ने सीसीटीवी के माध्यम से स्ट्रांग रूम परिसर की निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था कार्य का जायजा लिया और संबंधितों को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस मौके पर तहसीलदार श्री प्रेमशंकर पटेल, श्री संजय मालवीय, एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

## देवास में एनआईए का छापा, पाकिस्तान समर्थित गजवा-ए-हिन्द मामले में संदिग्ध को हिरासत में लिया..!

**देवास, 28 नवम्बर।** राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) की टीम ने देश के चार राज्यों में एक साथ दबिश दी है। जिसमें MP के देवास स्थित सतवास में सुबह 6 बजे टीम के अधिकारियों ने लियाकत पिता इदु के घर छापा मारा है. बिहार से आई NIA की पांच सदस्यीय टीम ने लियाकत से करीब चार घंटे तक पूछताछ की है।

सूत्रों की माने तो NIA की टीम देर रात ढाई बजे के लगभग सतवास थाना पहुंची और पुलिस की मदद से संदिग्ध लियाकत के घर व आसपास की जानकारी एकत्र की, इसके बाद 6 बजे लियाकत के घर धावा बोल दिया। अधिकारियों लियाकत से बंद कमरे में करीब चार घंटे तक पूछताछ करते हुए मोबाइल फोन व सिम जब्त कर ली थी। खबर है कि NIA की टीम किसी इंटरनेशनल कॉल रैकेट व देश विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों के साथ सोशल मीडिया पर जुड़े होने की आशंका के चलते लियाकत से पूछताछ के लिए आई थी। आसपास के लोगों से पूछताछ में यह पता चला कि लियाकत का पूरा परिवार मजदूरी करता है और लियाकत इन दिनों बीमार है। NIA की टीम ने चझ के अलावा गुजरात के गिर, सोमनाथ, UP के आजमगढ, केरल के कोझिकोड में भी संदिग्धों के घरों पर दबिश दी है. जिन संदिग्धों के घरों पर दबिश दी गई है, उनके पाकिस्तान से कनेक्शन की बात सामने आई है, जो पाकिस्तान समर्थित गजवा-ए-हिन्द के कट्टरपंथी भारत विरोधी विचारों का प्रचार-प्रसार करने में शामिल है।

गौरतलब है कि यह पूरा मामला 14 जुलाई 2022 को शुरु हुआ है जब बिहार के पटना जिले में फुलवारी शरीफ पुलिस ने मरगूब अहमद दानिश उर्फ ताहिर को गिरफ्तार किया था। जिससे पूछताछ के बाद NIA ने FIR दर्ज की थी. मरगूब वॉट्सएप ग्रुप गजवा-ए-हिंद का एडमिन था। जिसे जैन नाम के एक पाकिस्तानी नागरिक ने बनाया था। मरगूब ने भारत के साथ पाकिस्तान, बांग्लादेश व यमन सहित अन्य देशों के कई लोगों को ग्रुप में शामिल किया था। वह टेलीग्राम व वीआईपी मैसेंजर जैसे अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी सक्रिय रहा। जांच के अनुसार मरगूब भारत में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए स्लीपर सेल जुटाने के मकसद से ग्रुप के सदस्यों को प्रेरित करने की कोशिश कर रहा था। गौरतलब है कि NIA की टीम द्वारा जबलपुर शहर में भी दबिश देकर संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई थी, जिसमें कई अहम जानकारी NIA के हाथ लगी थी।

## चौथी राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता का समापन

### प्रतियोगिता में प्रथम स्थान में मंदसौर द्वितीय धार तृतीय मुरैना जिला रहा

**मंदसौर, गुरु एक्सप्रेस 28 नवम्बर निप्र।** मिक्स मार्शल आर्ट एसोसिएशन के संयोजन में एवं जिला कराते एसोसिएशन मंदसौर के तत्वाधान में चौथी राज्य स्तरीय फुल कॉन्टैक्ट कराते प्रतियोगिता का समापन समारोह मंदसौर के मनमोहन वाटिका रिसोर्ट में हुआ। लगातार सफल आयोजन की कडी में 6 व 7 नवंबर 2023 को दो दिवसीय राज्य स्तरीय कराते प्रतियोगिता का सफल आयोजन रहा मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से 325 खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर मंदसौर द्वितीय धार तृतीय स्थान में मुरैना जिला रहा श्र समापन समारोह में पधारे सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों को पुरस्कार बांटे श्र कार्यक्रम के अतिथि समाजसेवी नारू भाई मेव , मालवा क्षेत्र के प्रख्यात कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉक्टर कमलेश जी कुमावत , सभ्यता सुपरमार्केट के ओनर सिंधु महल के संयोजक समाजसेवी दृष्टानंद जी नेनवानी, दीपक ओवर सीज के ओनर पूज्य सिंधी भाई बंद पंचायत के अध्यक्ष समाजसेवी वासुदेव जी सेवानी , न्यूज 18 एवं मध्य भारत मीडिया के पत्रकार नरेंद्र जी धनोतिया , लाइंस क्लब जॉन के चेयरमैन सी ए विकास जी भंडारी , दैनिक प्रभात अखबार के संचालक महावीर जी जैन, स्वतंत्र समय अखबार के पत्रकार ललित जी पटेल, मुरैना से पधारी समाजसेवी श्रीमती गीता जी कुशवाह , संस्था के व्यवस्था प्रभारी विजय जी कोठारी प्रतियोगिता संयोजक गगन जी कुरील मंचासीन थे

प्रारंभ में अतिथियो का स्वागत विजय कोठारी, गगन कुरील, सैययद आफताब आलम, असलम खान, सुनील हीवे, अशोक गहलोत, दीनदयाल भावसार, दिनेश चंदवानी, दुर्गेश बेलानी, यशवंतसिह राठौर, कमलेश डोसी, धर्मेन्द्र सिंह रानेरा, घनश्याम पुरोहित शाहीद हुसैन, हितेश सालवी श्रीमती धमेन्द्र कुमारी, बाघेलवाल आदी ने किया। स्वागत उद्बोधन संस्था के व्यवस्था प्रभारी विजय जी कोठारी ने दिया संचालन प्रतियोगिता संयोजक श्री गगन कुरील ने किया व आभार संस्था सचिव सैयद आफताब आलम ने माना।

### स्टैण्डिंग कमेटी की बैठक आज

**मंदसौर, गुरु एक्सप्रेस 28 नवम्बर निप्र।** अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विशाल सिंह चौहान द्वारा बताया गया कि विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत मंदसौर जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना 3 दिसंबर 2023 को होनी है। जिसके संबंध में स्टैण्डिंग कमेटी की बैठक 29 नवंबर 2023 को समय दोपरह 12 बजे सुशासन भवन नवीन कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में होगी

## नाहरगढ़ वेलफेयर सोसायटी द्वारा उपहार व प्रशस्ती पत्र वितरण किए

**नाहरगढ़ , गुरु एक्सप्रेस 28 नवम्बर निप्र।** नगर मे प्रती वर्ष अनूसार इस वर्ष भी नवरात्री गरबा समारोह 2023 मे नगर के गरबा प्रांगण माँ अन्नपूर्णा गरबा / माँ पावगढ़ गरबा / शीतला माता गरबा / पंचतिर्थी गरबा व नई आबादी गरबा प्रांगणो मे सहभागिता करने वाली समस्त बालिका और महिलाओ व्दारा नवरात्री उत्सव 2023 को शोभायमान बनाया जिसके फलस्वरूप नाहरगढ वेलफेयर सोसायटी व्दारा सभी गरबा प्रांगणो मे सहभागीता करने वाली बालिकाओ व महिलाओ को प्रशस्ती पत्र 2023 मे 1 वर्ष से 10 वर्ष की बालिकाओ की प्रशस्ती पत्र व पेंसिल,रबर,शापनर व चार लाइन की कोपी व 10 वर्ष मे अविवाहित उम्र की बालिकाओ को एक पेन व कापी और वैवाहिक महिलाओ को बिंदी का पैकेट व माग भरने का सिंदूर नाहरगढ नाहरगढ वेलफेयर सोसायटी व्दारा कार्तिक पूर्णिमा दिनांक - 27/11/2023 सोमवार रात्री को वितरित किया गया जिसमे कार्यक्रम कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज सेवी श्री संजय पिता स्व. श्री बाबूलाल जी सुराणा व विशेष अतिथि श्री मति शकुंतला देवी पती स्व. श्री विनोद कुमार मण्डलोई ( भय्या बापू ) के सानिध्य मे सम्पन्न हुआ।

## ठिठुरन बढ़ी, सुबह 9 बजे से पहले नहीं लगेंगे पांचवीं तक के स्कूल

### कलेक्टर ने जारी किया आदेश, दिन के तापमान में तीव्र गिरावट को देखते हुए लिया निर्णया

**भोपाल,गुरु एक्सप्रेस 28 नवम्बर निप्र।** । देश के अलग-अलग हिस्सों में बनीं तीन मौसम प्रणालियों के असर से प्रदेश में मौसम ने करवट ली है। पिछले चौबीस घंटों के दौरान प्रदेश के अनेक शहरों में मावठा गिरा और दिन के तापमान में तेजी से गिरावट आई। राजधानी भोपाल में भी सोमवार को दिन का तापमान करीब 07 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। मंगलवार को भी सुबह से ही सर्द हवाएं चल रही हैं। इसे देखते हुए प्रशासन ने जिले में पहली से पांचवीं तक के स्कूलों को सुबह 09 बजे से पहले संचालित न करने निर्देश दिए हैं। मंगलवार दोपहर कलेक्टर आशीष सिंह ने इस आशय का आदेश जारी करते हुए कहा कि शीतकालीन मौसम प्रारंभ होने और तापमान में गिरावट को देखते हुए बच्चों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की दृष्टि से जिले की नर्सरी से कक्षा पांचवीं तक की समस्त शैक्षणिक संस्थाएं प्रात: नौ बजे से पहले संचालित नहीं होंगी।

## शीत लहर के चलते स्कूलों का समय हो 9.30 बजे से

### शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ तोमर ने कलेक्टर को पत्र लिखकर किया अनुरोध

**मंदसौर गुरु एक्सप्रेस 28 नवम्बर निप्र।** शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए प्रात: कालीन पारी में चलने वाले विद्यालयों का समय 9:30 बजे के बाद होना चाहिए। प्रदेश में अन्य स्थानों पर यह कार्य कलेक्टरों द्वारा कर दिया गया है। मंदसौर में भी 9:30 बजे बाद ही प्रात: कालीन स्कूल लगने चाहिए। इस आशय का पत्र शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर ने मंदसौर कलेक्टर श्री दिलीप यादव को लिखकर उनसे अनुरोध किया है कि मंदसौर में भी यह व्यवस्था तत्काल लागू की जाए।


### ** उठावना **

(महिला एवं पुरुष की संयुक्त बैठक)

स्व. सेठ श्री सेवारामजी बाबानी के सुपुत्र, स्व.सेठ श्री लीलारामजी एवं स्व. सेठ श्री गागनदासजी के छोटे भाई रमेश व सुरेश के पूज्यनीय काकाजी, दिनेश अनिल एवं राजेश बाबानी के पूज्यनीय पिताजी श्री कन्हैयालाल बाबानी का स्वर्गवास दिनांक 27 नवम्बर 2023 को हो गया था। जिनका उठावना दिनांक 29 नवम्बर 2023 बुधवार को शाम 4 बजे श्री झूलेलाल सिंधु महल लक्कड़ पीठा, धानमंडी, मंदसौर पर रखा गया है।

**शोकाकुल –**
**समस्त बाबानी परिवार**



### कार्यालय- दीपक सैनी एडव्होकेट

गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड़ नं. 3. मंदसौर
मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)

दिनांक- 28.11.2023

### ***जाहिर सूचना ***

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजेन्द्र पिता रामलाल जाति खारोल, निवासी ग्राम महुवी तहसील सीतामऊ जिला मंदसौर के स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य का आवासीय तल मंजीला मकान वार्ड नंबर-4, मकान नंबर-64, भवन पंजी कमांक-5, ग्राम महुवी तहसील सीतामऊजिला मंदसौर का सह स्वामित्व विधिवत रजिस्टर्ड सह स्वामित्व पत्र ई-पंजीकरण क्रमांक एमपी249412023ए12534175 दिनांक 03.11.2023 से अपनी पत्नी श्रीमती संजूबाई पति राजेन्द्र जाति खारोल, निवासी ग्राम महुवी तहसील सीतामऊजिला मंदसौर को बनाया गया है। उक्त मकान की चर्तु:सीमा व पैमाईश निम्नवत है-

**चर्तु:सीमा**–पूर्व में - जेतराम जी का मकान, पश्चिम में - मुकेश का मकान, उत्तर में -स्वयं का मकान, दक्षिण में -आम रास्ता। पैमाईश लम्बाई 65 फीट व चौड़ाई 35 फीट है।

कुल क्षेत्रफल - 2275 वर्गफीट या 211.43 वर्गमीटर है।

उक्त संपत्ति पर राजेन्द्र पिता रामलाल जाति खारोल, निवासी ग्राम महुवी तहसील सीतामऊजिला मंदसौर द्वारा India Shelter Finance Corporation Ltd Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 7 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचित हो।

भवदीय
दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर



### कार्यालय- दीपक सैनी एडव्होकेट

गौल चौराहा नई आबादी स्कीम नंबर-2 रोड़ नं. 3. मंदसौर
मोबाईल 8085621888, 7987714980 फोन नंबर 07422-356589)

दिनांक- 25.11.2023

### ***जाहिर सूचना ***

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार विकास पिता भेरूलाल जाति खटीक, निवासी ग्राम महुवा तहसील सीतामऊजिला मंदसौर के स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य का एक आवासीय मकान पटवा हल्का नं. 38 तहसील सीतामऊजिला मंदसौर का सह स्वामित्व विधिवत रजिस्टर्ड सह स्वामितव विलेखपत्र ई-पंजीकरण क्रमांक एमपी249412021ए1335792 दिनांक 03.04.2021 से अपनी पत्नि श्रीमती अनोखी पति विकास जाति खटीक, निवासी ग्राम महुवा तहसील सीतामऊ जिला मंदसौर को अपना सह स्वामित्व को बनाया है। उक्त मकान की चर्तु:सीमा व पैमाईश निम्नवत है-

चर्तु:सीमा- पूर्व में विक्रमसिह जी की भूमि, पश्चिम में -आम रास्ता ,उत्तर में -भुवानीराम जी का मकान, दक्षिण में -आजाद जी का मकान।

कुल क्षेत्रफल - 1000 वर्गफीट या 92.93 वर्गमीटर है।

उक्त संपत्ति पर विकास पिता भेरूलाल जाति खटीक, निवासी ग्राम महुवा तहसील सीतामऊजिला द्वारा India Shelter Finance Corporation Ltd Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत कर दिया है। यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार, बोझ आदि उक्त संपत्ति पर हो जाहिर सूचना पत्र प्रकाशन से 7 दिवस के अंदर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमा के प्रस्तुत करें। वरना बाद गुजरने मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। हो।

भवदीय
दीपक सैनी, एडव्होकेट मंदसौर


स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडि्या एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in